दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 30 | अंक: 244 | भोपाल, गुरुवार 18 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

संक्षिप्त खबरें

बालाघाट में आदिवासी युवक को उठा ले गए नक्सली

बालाघाट नप्र। बालाघाट में नक्सलियों ने आदिवासी युवक का अपहरण कर लिया। नक्सलियों ने लाल स्याही से लिखे दो पर्चे छोड़े, जिसमें लिखा है कि पुलिस की मुखबिरी करने पर युवक को मौत की सजा दी गई है। घटना लांजी क्षेत्र के चौरिया गांव की है। आईजी संजय कुमार ने युवक के लापता होने और नक्सली पर्चे मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया, चौरिया गांव के देवेंद्र उर्फ धदू के अपहरण की सूचना मिली है। आशंका है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की मलाजखंड एरिया कमेटी ने उसे अगवा किया है। उन्होंने बताया कि देवेंद्र के मिलने के बाद ही घटना की वास्तविकता स्पष्ट हो पाएगी कि यह नक्सलियों ने अपहरण किया है या नहीं। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

मंडला में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

मंडला नप्र। मंडला में पिछले एक हफ्ते में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। तीन लोगों ने तो दो दिन में दम तोड़ा। उन्हें उल्टीडूदस्त हुए थे। मरने वाले दो भाई और उसकी मां हैं। अचानक हुई इन मौतों से एक तरफ गांव में खौफ है। दूसरी तरफ परिवार भी दहशत में है। मंडला से करीब 55 किमी दूर आदिवासियों का कोना टोला गांव। चारों ओर हरियाली से ढंकी पहाड़ियां। देखने में किसी हिल स्टेशन से कम नहीं लगता। 20-21 मकान और आबादी सौ-सवा सौ के करीब। पूरा गांव की आपस में रिश्तेदारी भी है। लेकिन, पिछले दो दिन में एक ही परिवार में हुई चार लोगों की मौत के बाद गांव में सन्नाटा है। महिलाएं हो या पुरुष किसी की आंख में आंसू नहीं एक अजीब तरह का खौफ है।

गैंगस्टर छोटा राजन की जमानत रद्द

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुंबई में होटल व्यवसायी जया शेट्टी की 2001 में हुई हत्या के मामले में गैंगस्टर छोटा राजन की जमानत रद्द कर दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सीबीआई की उस अपील को स्वीकार कर लिया, जिसमें एजेंसी ने पिछले साल 23 अक्तूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें राजन की आजीवन कारावास की सजा निलंबित कर उसे जमानत दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजन 27 साल तक फरार रहा और उसे चार मामलों में दोषी ठहराया गया। ऐसे व्यक्ति की सजा निलंबित क्यों की जाए?।

गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी पूजा, मेरा प्रण: प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने धार में किया पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियाँ कल्पनातीत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार महा-अभियान सहित विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों का शुभारंभ

भोपाल| नगर संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात मिली है। धार की धरती पर बनने वाले देश के पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क से देश की अर्थव्यवस्था को नया आधार मिलेगा। यह पार्क पूरे मध्यप्रदेश के विकास को नई गति देगा और यहां होने वाले निवेश से प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक नए दौर में प्रवेश करेगी।

मध्यप्रदेश विकास की नई इबारत भी लिखेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कपड़ा उद्योग से ही देश के विकास को नई मजबूती मिलेगी। पीएम मित्र पार्क देश की टेक्सटाइल इंडस्ट्री में नए ट्रांसफार्मेशन की राह खोलेगा। उन्होंने कहा कि हम देश में 7 पीएम मित्र पार्क स्थापित करने जा रहे हैं और इनके जरिए हम भारत को विश्व का टेक्सटाईल-हब बनाएंगे। इन पीएम मित्र पार्कों में बुना जाने वाला धागा, सिर्फ किसानों का ही नहीं, बल्कि पूरे देश के विकास का नया ताना-बाना बुनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को धार जिले की बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने यहां पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास किया साथ ही राष्ट्रीय स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार महाअभियान, आठवें राष्ट्रीय पोषण माह, आदि सेवा पर्व का शुभारंभ कर सुमन सखी चैटवॉट को लॉंच किया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत देशभर की 15 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को 450 करोड़ रूपए से अधिक की प्रसूति सहायता राशि सिंगल क्लिक के जरिए उनके खाते में अंतरित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक बगिया मां के नाम% अभियान के अंतर्गत स्व-सहायता समूह की दीदी श्रीमती लक्ष्मी डोडियार को अमरूद का पौधा भेंट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन के तहत सुआराधना कलमी को 1 करोड़वां सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग कार्ड प्रदान किया। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार महाअभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक देशभर में 1 लाख से अधिक स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर उपस्थित रहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत सिर्फ हमारा संकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत के सुनहरे भविष्य के निर्माण का यज्ञ है। यह यज्ञ तभी पूर्ण होगा जब इसमें सबकी आहुति और सबका योगदान शामिल होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सबके साथ से हम सबके विकास के लिए संकल्पित हैं। पिछले 11 वर्ष जनकल्याण को समर्पित रहे। गरीब के चेहरे पर मुस्कान लाना ही मेरी इष्ट-पूजा और मेरा प्रण है।

हमारे समर्पित प्रयासों से पिछले 11 साल में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी के जीवन से बाहर आए हैं, जिससे पूरे समाज को एक नया आत्मविश्वास मिला है, यही हमारा ईनाम भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार की प्रगतिशीलता और अवसर का भरपूर लाभ उठाने की उदात्त मंशा की सराहना करते हुए कहा कि धार का यह पीएम मित्र पार्क आने वाले समय में दूसरे राज्यों के लिए एक नज़ीर बनेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने जीवन में स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ाना चाहिए। इसी से हमारे किसानों, काश्तकारों और श्रमिकों के जीवन में समृद्धि आयेगी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वदेशी को ही आजादी का हथियार बनाया था। अब हमें इसे विकसित भारत का आधार बनाना है। इसलिए हम छोटी-बड़ी जो भी चीजें खरीदें, सबसे पहले देखें कि क्या यह देश में बनी है या नहीं। देश का पैसा देश में रहेगा, तो विकास को नई गति मिलेगी। यही पैसा देश के विकास और गरीब कल्याण की योजनाओं में काम आता है। देश के मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए बहुत धन की जरूरत है। स्वदेशी से पैदा होने वाले रोजगार का लाभ युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से पूरे देश में जीएसटी की नई दरें लागू होने जा रही हैं। राज्य सरकारें इसके लिए स्वदेशी जागरण अभियान चलाएं जिससे नागरिक स्वदेशी वस्तुएं खरीदकर इसका भरपूर लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और व्यापारी मिलकर सुनिश्चित करें कि पर्वों के दौरान हर दुकान पर इस आशय का बोर्ड लगा होना चाहिए कि गर्व से कहो, ये स्वदेशी है। उन्होंने कहा कि हम सभी स्वदेशी वस्तुओं पर गर्व करें। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एक ऐसे नए दौर की ओर बढ़ रहा है, जहां सबके विकास का प्रबंध हो, हर हाथ को काम मिले और सबके जीवन में समृद्धि का वास हो। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि महेश्वरी साड़ी मध्यप्रदेश की पहचान रही है। धार में पीएम मित्र पार्क के माध्यम से हम देवी अहिल्याबाई नारी सशक्तिकरण मिशन को आगे बढ़ा रहे हैं। मप्र में उच्च कोटि का कपास उपलब्ध है। पीएम मित्र पार्क से कपड़ा उद्योग की वैल्यू चैन इसी जगह उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल सेक्टर में धार पूरे देश में चमकने वाला है। फाइव-एफ विजन - %फार्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन और फैशन से फॉरेन% पर काम जारी है। प्रधानमंत्री ने हर्ष जताते हुए कहा कि मध्यप्रदेश के पीएम मित्र पार्क की 80 प्रतिशत जमीन निवेशक कम्पनियों को आवंटित की जा चुकी है। इस पार्क के निर्माण से मध्यप्रदेश में 3 लाख से अधिक रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

- पिछले 11 साल में 25 करोड़ लोग आये गरीबी से बाहर
- किसान और श्रमिकों के जीवन में आयेगी समृद्धि
- जो पिछड़ा है, उसे आगे लाना हमारी प्राथमिकता
- स्वदेशी जागरण के लिए अभियान चलाएं राज्य सरकारें
- दुकानों पर हो गर्व से कहो ये स्वदेशी है का बोर्ड
- देश का पैसा देश में रहेगा तो मिलेगी विकास को नई गति
- पीएम मित्र पार्क से वस्त्रोद्योग का वैश्विक केन्द्र बनेगा मध्यप्रदेश

पीएम मोदी ने गरीबों के जीवन में सुख-सुविधा और सम्मान दिया : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वह ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जो कभी कल्पना मात्र लगती थीं। जिस भारत की प्रगति को दुनिया असंभव मानती थी, वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने 'मोदी है तो मुमकिन है' की प्रतिबद्धता ने कर दिखाई। देश की बुनियादी सुविधाओं से लेकर बड़ी से बड़ी दुविधाओं का हल उन्होंने निकाला है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नेतृत्व ने भारत की काया पलट दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर याद आ रहा है कि जिस तरह भगवान विश्वकर्मा ने सृष्टि को गढ़ा, उसी तरह प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भर, सक्षम और विकसित भारत की नींव रखकर नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।

जनजातीय अंचल में पीएम का जन्मदिन मनाना म.प्र. का सौभाग्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री मोदी अपना जन्मदिवस मध्यप्रदेश के जनजातीय अंचल में मना रहे हैं और कई सौगातें लेकर आए हैं। दुनिया के सबसे लोकप्रिय नायक मोदी ने गरीब अंचल के लिए समय निकाला, यह उनके प्रेम की अभिव्यक्ति है। राजा भोज के संस्कारों से समृद्ध ऐतिहासिक नगरी धार प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से हर्षित हो उठी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिवस की कोटि-कोटि शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि इस मंगल अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी के सानिध्य से मध्यप्रदेश धन्य हुआ है। मोदी दीर्घायु हों, निरोग रहें, उनका यश और कीर्ति बढ़ती रहे, यही कामना है।

पीएम मित्र पार्क के मॉडल और स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित धार के पीएम मित्र पार्क का मॉडल देखा और उसकी खूबियों को जाना। साथ ही स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एवं पोषण अभियान अंतर्गत आयोजित स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन भी किया। प्रधानमंत्री ने शिविर में मौजूद चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा कर उपचार संबंधी जानकारी भी ली। प्रधानमंत्री मोदी का राज्यपाल पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने स्वागत कर स्मृति-चिन्ह भेंट किये। प्रधानमंत्री को जनजातीय परम्परानुसार तीर-कमान भेंट किया और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। प्रारंभ में प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुसज्जित वाहन से सभा-स्थल पहुँचे और उपस्थित अपार जन-समूह का अभिवादन किया। नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

5 साल के बच्चे-मां की हत्या

मुंह में कपड़ा ठूंसा, गला दबाया, साथ पड़े थे दोनों शव

पन्ना| नगर संवाददाता

पन्ना जिले में महिला और उसके 5 साल के बेटे की हत्या का मामला सामने आया है। वह अपने घर में किराना दुकान चलाती थी। पति पंजाब में मजदूरी करता है। वारदात मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात की है।

घटना से गुस्साए ग्रामवासियों ने माधौगंज चौराहे पर चक्काजाम कर दिया। वे आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सूचना मिलते ही पूर्व मंत्री व पन्ना विधायक बृजेन्द्र प्रताप सिंह और एडिशनल एसपी वंदना सिंह चौहान मौके पर पहुंचे। विधायक ने परिजन को आश्वासन दिया कि किसी भी कीमत पर आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। करीब डेढ़ घंटे बाद प्रदर्शन खत्म कराया जा सका। पुलिस के मुताबिक, पन्ना के रहूनिया गांव में सोनू कुशवाहा (25) अपने 5 साल के बड़े बेटे और डेढ़ साल के छोटे बेटे के साथ रहती थी। पति रामनारायण कुशवाहा पंजाब में मजदूरी करने गया है। बुधवार सुबह जब महिला और उसके बच्चे घर से बाहर नहीं निकले तो ग्रामीणों ने दरवाजा खटखटाया। अंदर झांककर देखा तो महिला और बच्चे की लाश दिखी। हमलावरों ने महिला और उसके 5 साल के बेटे के मुंह में कपड़ा ठूंसकर गला घोंट दिया। घर में चोरी करके भाग निकले। सोनू का छोटा बेटा कार्तिक सुरक्षित है।

हर पहलू से जांच कर रहे: एसडीओपी राजीव सिंह भदौरिया ने कहा- जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। महिला के साथ रेप की पुष्टि नहीं हुई है। हम हर पहलू पर जांच कर रहे हैं।

92.50 लाख नगद, 1.5 करोड़ रुपये के गहने, नूपुर की बेहिसाब संपत्ति को देखकर हैरान सीएम सरमा

गुवाहाटी एजेंसी। असम में असम सिविल सेवा (एसीएस) की एक महिला अधिकारी नूपुर बोरा को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों को जांच के दौरान महिला अधिकारी के घर से बेहिसाब संपत्ति मिली है। बात दें कि नूपुर बोरा 2019 बैच की अधिकारी हैं। उन पर बीते छह महीनों से विशेष सतर्कता शाखा की नजर थी। नपुर पर आरोप है कि वह जमीन के सौदों में गड़बड़ी करके मोटी रकम वसूल रही थीं। हाल ही में उनके ठिकानों पर छापेमारी की गई, जिसमें पुलिस को भारी मात्रा में नकदी और गहने मिले। विशेष सतर्कता शाखा को छापेमारी के दौरान गुवाहाटी स्थित घर से 92.50 लाख रुपये से अधिक नकदी, करीब 1.5 करोड़ रुपये के गहने, बरपेटा में किराए के मकान से 10 लाख रुपये नकद मिले है। दरअसल जांच अधिकारी भी हैरान हैं कि सिर्फ पांच साल की नौकरी में नपूर ने जो अकूत संपत्ति हासिल की।

इटारसी में सड़कों पर पानी भरा, गाड़ियों के पहिए डूबे

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में तेज बारिश रीवा-सिवनी में पौन इंच पानी गिरा

भोपाल| नगर संवाददाता

मध्यप्रदेश के 13 जिलों में बुधवार को बारिश हुई। भोपाल और इंदौर में देर शाम भी जमकर बारिश हो रही है। इटारसी में भी बारिश का पानी सड़कों पर भर गया है। गाड़ियों के पहिए डूब रहे हैं। बुधवार दोपहर तक रीवा और सतना में सबसे ज्यादा पौने 2 इंच बारिश हो गई।

टीकमगढ़ में सवा इंच, सतना में पौन इंच, और छिंदवाड़ा में आधा इंच से ज्यादा पानी गिरा। पचमढ़ी, खजुराहो, नौगांव, सीधी, नर्मदापुरम, शाजापुर, पांढुर्णा, डिंडौरी समेत अन्य जिलों में भी बारिश दर्ज की गई। वहीं, कई जिलों में तेज धूप भी खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार, वर्तमान में मध्यप्रदेश के आसपास तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है, लेकिन इनका प्रदेश में असर कम है। इस वजह से कई जिलों में तेज बारिश नहीं हुई। वहीं पांढुर्णा में बारिश की वजह से अचानक जाम नदी में बाढ़ आ गई। कुछ युवक जान जोखिम में डालकर पुलिया पर खड़े थे। प्रशासन ने लोगों को सावधान रहने की अपील की। सिवनी में रुक-रुककर बारिश हुई। संजय सरोवर बांध के 4 गेट खोले गए हैं। लगभग 21000 घन फिट प्रति सेकंड की दर से वैनगंगा नदी में पानी छोड़ा जा रहा है।

अगले 3 दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन तक प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन कई बार लोकल सिस्टम की वजह से बारिश की झड़ी लग सकती है। पिछले एक सप्ताह से ऐसा ही हो रहा है। लोकल सिस्टम की एक्टिविटी होने से बारिश हो जाती है।

कोर्ट का आदेश | भोपाल गैस त्रासदी पर हाईकोर्ट का बड़ा आदेश

तेजी से करें क्रिमिनल केस का निराकरण

40 साल तक लंबित नहीं रख सकते मामले

जबलपुर| नगर संवाददाता

भोपाल गैस त्रासदी केस को चलते हुए 33 साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन निराकरण नहीं हुआ। लिहाजा मामले में हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को आदेश दिया है कि भोपाल गैस त्रासद से जुड़े क्रिमिनल केस का ट्रायल कोर्ट शीघ्र निराकरण करे। हाईकोर्ट ने मामले में यह भी टिप्पणी की है कि हम 40 साल तक केस को लंबित नहीं रख सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि वॉरेन एंडरसन सहित सभी आरोपियों पर जल्द फैसला सुनाया जाए।

भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष समिति की और से दायर याचिका पर बुधवार को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा एवं जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने सुनवाई करते हुए निर्देश दिए हैं कि केस से जुड़े सभी प्रकरणों दाखिल मंथली प्रोग्रेस रिपोर्ट रजिस्ट्रार ऑफ जनरल को दी जाए। जिसके बाद प्रकरणों की प्रोग्रेस रिपोर्ट देखी जाएगी। भोपाल गैस पीड़ित संघर्ष सहयोग समिति की ओर से जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए बेंच ने भोपाल ट्रायल कोर्ट को निर्देश दिया कि गैस त्रासदी से जुड़े लंबित मामलों का निराकरण जल्द से जल्द किया जाए। याचिकाकर्ता समिति जो विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों का संघ है और गैस त्रासदी पीड़ितों की ओर से काम करती है। संघ ने बताया कि क्रिमिनल 91/1992 मामला पिछले 33 सालों से लंबित है। वर्ष 2010 से जिला जज की अदालत में आपराधिक पुनरीक्षण की अपील भी लंबित है। सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने आपत्ति जताई कि याचिकाकर्ता न तो गवाह है और न ही पक्षकार, इसलिए याचिका सुनने योग्य नहीं है। हालांकि हाईकोर्ट ने इस पर आदेश दिया कि चूंकि ये कार्रवाई लंबे समय से लंबित है, इसलिए इस याचिका का निराकरण करने के निर्देश देते हैं। हाईकोर्ट ने संबंधित न्यायालय और लंबित आपराधिक अपीलों का यथाशीघ्र निस्तारीकरण प्राथमिकता से करें।

सुप्रीम कोर्ट ने बाघों के शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार पर केंद्र से पूछा

नई दिल्ली एजेंसी। देश में बाघों के शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार की बढ़ती घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार से पूछा है कि क्या बाघ संरक्षण के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय एजेंसी की स्थापना की जानी चाहिए। राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात और देशभर के अन्य राज्यों में सक्रिय आपराधिक गिरोहों की सीबीआई जांच कराने की मांग पर कोर्ट ने गृह मंत्रालय (एमएचए), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण को नोटिस जारी कर चार हफ्तों में जवाब मांगा है। सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश के बाघ अभ्यारण्यों के 30 फीसदी से ज्यादा बाघ संरक्षित क्षेत्र से बाहर ही घूमते रहते हैं।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में भारत का क्लीन स्वीप

इंडिया नंबर-1 टीम, बैटर्स में अभिषेक

बॉलर्स में वरुण और ऑलराउंडर्स में हार्दिक टॉपर

एजेंसी| दुबई

आईसीसी की बुधवार को जारी हुई टी-20 वीकली रैंकिंग में बैटर, बॉलर और ऑलराउंडर तीनों कैटेगरी में ही भारतीय खिलाड़ी टॉप पर हैं। यहां तक कि टी-20 टीम रैंकिंग में भी भारतीय टीम टॉप पर है। ऐसा पहली बार हुआ है कि एक ही टीम और उसके खिलाड़ियों ने किसी एक फॉर्मेट की सभी चार कैटेगरी में नंबर-1 स्थान हासिल किया है।

पहली बार वरुण चक्रवर्ती टॉप बॉलर बने हैं। वरुण टी-20 रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बनने वाले तीसरे भारतीय प्लेयर हैं। उनसे पहले जसप्रीत बुमराह और रवि बिश्नोई यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। बैटर अभिषेक शर्मा अपने करियर की हाईएस्ट रेटिंग के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं। वहीं, ऑलराउंडर्स में हार्दिक पंड्या टॉप पर हैं। वरुण चक्रवर्ती का एशिया कप में शानदार प्रदर्शन जारी 34 साल के इस स्पिनर का एशिया कप में भी अच्छा प्रदर्शन जारी है।

उन्होंने UAE के खिलाफ दो ओवर में सिर्फ 4 रन देकर 1 विकेट और पाकिस्तान के खिलाफ चार ओवर में 24 रन देकर 1 झटका था। उन्होंने रैंकिंग में तीन पायदान की छलांग लगाई हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी को पीछे छोड़ा।

संपाकीय

नेपाल की अंतरिम सरकार से संतुलन की उम्मीद

करीब हफ्तेभर की उथलपुथल के बाद नेपाल का फिर से शांति की ओर बढ़ना अच्छी खबर है। नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की बेदाग छवि और संतुलित नजरिये के लिए जानी जाती हैं। उनके नेतृत्व में वहां जल्द चुनाव होने और हालात के सामान्य होने की उम्मीद है। सुशीला कार्की नेपाल की मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। उनके पास राजनीतिक अनुभव बेहद कम है। इसके बावजूद जेन-जेड ने उनके नाम पर सहमति जताई, क्योंकि बाकी राजनेताओं से उसका भरोसा उठ चुका है। कार्की भ्रष्टाचार विरोधी सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं और नेपाल की नई पीढ़ी को उनसे आस है कि वह करप्शन को खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाएंगी। सुशीला कार्की के लिए इन अपेक्षाओं पर खरा उतरना आसान नहीं। उनके सामने ऐसा देश है, जिसकी व्यवस्था उखड़ चुकी है। उन्हें हालात को संभालने के साथ ही राजनीतिक स्थायित्व भी प्रदान करना है। अच्छी बात यह है कि अंतरिम सरकार के गठन के साथ ही अगले साल मार्च में चुनाव कराने का भी ऐलान कर दिया गया। नेपाल ने इस मामले में बांग्लादेश से सबक लिया। आंदोलन ने चुनी हुई सरकार को उखाड़ फेंका था। हालांकि एक साल से ज्यादा वक्त बाद भी तय नहीं हो सका है कि चुनाव कब होंगे। इससे वही अनिश्चितता और बेचैनी फिर पैदा हो रही है, जिससे उबरने के लिए जनता सड़कों पर उतरी थी। नेपाल का जल्द से जल्द सामान्य होना भारत के लिए भी अच्छा होगा। दोनों देश आपस में इस कदर जुड़े हैं कि काठमांडू की कोई भी हलचल नई दिल्ली में महसूस हुए बिना नहीं रह सकती। फिर पड़ोस में स्थायित्व इसलिए भी जरूरी है, ताकि दूसरे तत्वों को फायदा उठाने का मौका न मिले। बांग्लादेश की अस्थिरता का उदाहरण सामने है, जहां पाकिस्तान अब भारत विरोधी नैरेटिव बनाने में लगा हुआ है। भारत-नेपाल की सीमाएं ही नहीं जुड़तीं, दोनों की संस्कृति, रहन-सहन, खानपान भी बहुत हद तक साझा है। लेकिन, केपीएस ओली के दौर में दूरी साफ महसूस की जा सकती थी। वह नेपाल को धीरे-धीरे चीन की तरफ शिफ्ट कर रहे थे। यहां तक कि लिपुलेख का मुद्दा भी उन्होंने चीन के सामने उठाया। इससे नेपाल में ही वह वर्ग बहुत नाराज था, जो पेइचिंग को संशय की नजरों से देखता है। सुशीला कार्की से द्विपक्षीय रिश्तों में ज्यादा बैलेंस की उम्मीद है। मणिपुर से पीएम नरेंद्र मोदी का नेपाल को संदेश देना इस रिश्ते की अहमियत बताता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी : स्वदेशी का संकल्प और राष्ट्र निर्माण के प्रेरक

डॉ. मोहन यादव

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है,
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है,
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष करने वाले हमारे प्रेरक, मार्गदर्शक और भारत निर्माण के दृष्टा यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को उनके जन्मदिवस पर अनंत शुभकामनाएं। हमारा सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री जी आज इस विशेष दिवस पर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। उनकी इस यात्रा से प्रदेश को एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। वे धार जिले के भैंसोला ग्राम में देश के पहले पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे 'स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार और पोषण अभियान' तथा 'स्वच्छता ही सेवा% पखवाड़े का शुभारंभ करेंगे। मैं प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता के साथ प्रधानमंत्री जी का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूँ।

प्रधानमंत्री जी का संपूर्ण जीवन परिश्रम, पुरुषार्थ और सेवा के प्रेरणादायी संकल्प की यात्रा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से राष्ट्र और समाज सेवा का संकल्प लेकर उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की यात्रा आरंभ की, जो प्रधानमंत्री के रूप में भी ध्येयनिष्ठ रही है। उनके लिए राष्ट्र प्रथम और सर्वोपरि है। यह उनके राष्ट्र निर्माण और देशहित में लिए गए निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का ही परिणाम है कि आज भारत की गणना विश्व के अग्रणी राष्ट्रों में हो रही है।

उनके प्रत्येक निर्णय में राष्ट्र की नींव को सशक्त करने की झलक है। कश्मीर में धारा 370 को समाप्त करना और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद श्रीरामलला को अपने जन्म स्थान अयोध्या में प्रतिष्ठित करने में उनकी पहल अविश्वसनीय है। उन्होंने एक राष्ट्र, एक पहचान के लिए विभाजनकारी प्रवृत्तियों को समाप्त किया और समाज में एकत्व का भाव स्थापित किया। उनका दूरदर्शी नेतृत्व आधुनिक भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और सांस्कृतिक रूप से गौरवशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में निरंतर प्रेरित कर रहा है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि उनके मार्गदर्शन में जनकल्याण, आर्थिक सुदृढ़ीकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भारत को अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही सबसे पहले उन्होंने देशवासियों के स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अभियान छेड़ा। वे स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर दिल्ली के प्रगति मैदान पहुँचे। गांव-गांव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर मध्यप्रदेश की जनता भी इस अभियान में जुट गई और गांव से लेकर नगर तक स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य बना। इंदौर ने लगातार 8 बार देश में स्वच्छ शहर के रूप में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्री मोदी जी ने आम नागरिक को आधुनिक चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की, जिससे गरीब और असहाय परिवारों को उपचार में सहायता मिली। इस योजना से 40 करोड़ से अधिक नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ सेवाएं प्राप्त हो रही हैं।

समाज को अपने सांस्कृतिक गौरव के प्रति आत्मविश्वास उत्पन्न कराने के लिये प्रधानमंत्री जी ने हमें 'विरासत के साथ विकास' का नारा दिया। भारतीय संस्कृति के गौरव और आधुनिकता के संतुलन को साधते हुए उन्होंने लोगों में आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई।

मुझे यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। जब उन्होंने कार्यभार संभाला था तब भारत विश्व की ग्यारहवीं अर्थव्यवस्था था। केवल ग्यारह वर्षों में भारत चौथे स्थान पर पहुंचा और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। तेल आयात, व्यापार, रक्षा उत्पादन और तकनीकी नवाचार में भारत ने नई मिसाल कायम की है। आयुध निर्यातक देश के रूप में भी भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया। %स्पेस टेक्नोलॉजी% में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर तिरंगा फहराकर विश्व को चकित कर दिया और विज्ञान तथा तकनीक में अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता है कि वे जो कहते हैं उसका क्रियान्वयन भी करते हैं। उन्होंने इसी वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी रिफॉर्म की घोषणा की थी और एक माह के भीतर इसे लागू करने का निर्णय ले लिया। इस फैसले से देश की कर-प्रणाली सरल होगी, महंगाई कम होगी और आर्थिक न्याय के साथ समावेशी विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री जी की आर्थिक नीतियों ने निवेश, उत्पादन और रोज़गार के क्षेत्र में नई संभावनाएं निर्मित की हैं। ये नीतियाँ देशवासियों को राहत देने के साथ वैश्विक स्तर पर भारत के आत्म-सम्मान का प्रतीक बनी। अमेरिका जैसी आर्थिक महाशक्ति ने भारत पर भारी टैरिफ लागू कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन श्री मोदी जी की रणनीति ने उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। रूस और चीन के साथ सहयोग कर नए व्यापारिक मार्ग स्थापित करना और जीएसटी जैसे आर्थिक सुधार लागू करना उनकी कुशल और निर्णायक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है।

प्रधानमंत्री जी का लक्ष्य है कि देश का युवा आत्मनिर्भर बने और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाए। युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप रोज़गार देने के लिए उन्होंने 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोज़गार योजना' लागू की। इसका उद्देश्य साढ़े तीन करोड़ से अधिक युवाओं को रोज़गार उपलब्ध कराना है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में युवाओं को कौशल विकास, स्वरोज़गार, स्टार्टअप, तकनीकी नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 52.5 करोड़ छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनके व्यवसाय को गति दी गई।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि किसी भी परिवार, समाज और राष्ट्र की नींव में महिलाओं की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने महिलाओं के कल्याण, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं। उवला योजना से 10.33 करोड़ से अधिक महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाई। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ और उन्हें सम्मान जनक जीवन जीने का अवसर भी मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना से 4 करोड़ से अधिक लोगों को संपत्ति का अधिकार मिला। महिला आरक्षण लागू कर उन्होंने महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता को बढ़ावा दिया। %लखपति दीदी अभियान% के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। पिछले 10 वर्षों में उन्होंने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने जनकल्याण की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए। %प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना% के तहत 81 करोड़ से अधिक नागरिकों को निःशुल्क खाद्यान्न दिया गया। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालय बनाए गए, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य में सुधार हुआ। %जल जीवन मिशन% के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों तक नल से जल पहुंचाया गया। इन योजनाओं ने देश के हर वर्ग को सीधे लाभ पहुँचाया।

रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से वे देश के हर जन-मन से जुड़े, हरेक की समस्या को जाना और समाधान पहुँचाने का प्रयास किया। उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सीमाओं की सुरक्षा, आतंकवाद का सामना और वैश्विक मंच पर भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने अनेक निर्णय लिए। %ऑपरेशन सिंदूर% से भारत ने अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया और विश्व को भारत की शक्ति से परिचित कराया। उनके नेतृत्व में भारतीय सेना को आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व सेवा, त्याग, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रप्रेम का प्रतीक है। उनके द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों ने आम नागरिक को राहत दी, स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की, आर्थिक विकास की राह दिखाई, सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा दिया। उनके नेतृत्व में भारत ने संघर्ष से समाधान, संकट से अवसर और सीमित संसाधनों से वैश्विक प्रतिष्ठा की यात्रा तय की है।

आज प्रधानमंत्री जी के जन्मदिवस पर हम यह संकल्प लें कि उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए राष्ट्रहित में कार्य करेंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। देश को विश्व शक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री जी ने सेवा और स्वदेशी का आह्वान किया है। मुझे विश्वास है कि प्रदेश के कपास उत्पादक क्षेत्र में टैक्सटाइल उद्योग के लिए स्थापित होने वाला %पीएम मित्र पार्क% प्रधानमंत्री जी की स्वदेशी की संकल्पना को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रदेश को मिलने वाले इस आशीर्वाद से हम सभी अभिभूत हैं। %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका कल्याण% करने वाले युगदृष्टा माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को पुनः जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ...।

(लेखक, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

आपके अंदर सूक्ष्म शक्ति- जीवन के सुख-दुख बाहरी घटनाओं की गूंज मात्र हैं, आंतरिक आवाज सुनने का सूत्र अपनाएं

(महर्षि अरविंद)

हम इन्सान होने के नाते, ज्यादातर परिस्थितियों के गुलाम हैं, और बाहरी दुनिया की संवेदनाओं तक सीमित हैं। हमारी मानसिक गतिविधियां इन बाहरी संवेदनाओं पर निर्भर करती हैं, यहां तक कि हमारी बुद्धि भी भौतिक दुनिया की सीमाओं से आगे नहीं जा पाती। जीवन के सुख-दुख बाहरी घटनाओं की गूंज मात्र हैं। यह गुलामी हमारे शरीर के वर्चस्व के कारण है। उपनिषद में कहा गया है, 'स्वयंभू ने शरीर के द्वार बाहर की ओर खोल दिए हैं, इसलिए इन्सान की आत्मा बाहर की ओर देखती है, न कि अपने भीतर। कोई-कोई बुद्धिमान व्यक्ति, जो अमरता की इच्छा रखता है, अपनी नजरें भीतर की ओर मोड़ता है और अपने भीतर की आत्मा को देखता है।'

इन्सान का शरीर और उसकी सीमाएं उसे नियंत्रित करती हैं, जैसे वह जेल में हो। चाहे बाहरी ताकतें, जैसे दुश्मन हों या दोस्तों के बीच रहना हो, शरीर एक जेल की तरह है, और हमारी शरीर-केंद्रित सोच (अज्ञानता) वह दुश्मन है, जो हमें कैद रखता है।

सामान्य रूप से, जिस बाह्य, भौतिक दृष्टि से हम मनुष्य जीवन का अवलोकन करते हैं, उसमें शरीर हमारा मुख्य सहारा है।

हम यूरोपीय लोगों को कितना ही भौतिकवादी कहें, सच तो यह है कि सभी इन्सान भौतिकवादी हैं। शरीर धार्मिक जीवन को पूरा करने का एक साधन है। एक रथ है, जिसे कई घोड़े खींचते हैं, और हम इसी शरीर-रथ पर सवार होकर दुनिया के रास्तों पर चलते हैं। लेकिन शरीर को गलत महत्व देने के कारण हम अपनी शारीरिक बुद्धि को इतना बढ़ावा देते हैं कि पूरी तरह से बाहरी गतिविधियों और सतही चीजों में उलझ जाते हैं। इस अज्ञानता का परिणाम है कि हम जीवन भर गुलामी और अधीनता में रहते हैं। सुख-दुख, अच्छा-बुरा, समृद्धि और खतरा, हमें अपनी मानसिक स्थिति को उनके हिसाब से ढालने के लिए मजबूर करते हैं, और हम अपनी इच्छाओं की लहरों पर बहते रहते हैं। हम आनंद के लालच और दुख से डर के कारण दूसरों पर निर्भर हो जाते हैं। दूसरों से अपने सुख-दुख लेने के कारण हमें अंतहीन दुख और अपमान सहना पड़ता है।

इन्सान का शरीर और उसकी सीमाएं उसे नियंत्रित करती हैं, जैसे वह जेल में हो। चाहे बाहरी ताकतें, जैसे दुश्मन हों या दोस्तों के बीच रहना हो, शरीर एक जेल की तरह है, और हमारी शरीर-केंद्रित सोच (अज्ञानता) वह दुश्मन है, जो हमें कैद रखता है। यह कारावास की स्थिति मनुष्य की चिरस्थायी है। लेकिन इतिहास और साहित्य में हर जगह इन्सानों की आजादी पाने की तीव्र इच्छा दिखती है। हर युग में इन्सान ने महसूस किया है कि उसके अंदर ऐसी सूक्ष्म शक्ति है, जो भौतिक सीमाओं को पार कर सकती है। यह शक्ति है अंतःनियंता, जो हमेशा स्वतंत्र और आनंद से भरी हुई है। धर्म का उद्देश्य इस स्वतंत्रता और शुद्ध आनंद की स्थिति को प्राप्त करना है। यह वही उद्देश्य है, जिसे विज्ञान 'विकास' कहता है।

मनुष्य और पशु के बीच असली अंतर तर्क-शक्ति में नहीं है। पशुओं में भी निर्णय लेने की क्षमता होती है, लेकिन वह विकसित नहीं होती। असली अंतर यह है कि पशु पूरी तरह शरीर के अधीन होता है, जबकि इन्सान शरीर पर विजय पाने और आंतरिक स्वतंत्रता की कोशिश में अपनी मानवता को दर्शाता है। यह स्वतंत्रता ही धर्म का मुख्य लक्ष्य है, जिसे 'मुक्ति' कहते हैं।

आंतरिक आवाज सुनें – जीवन में सफलता पाने के लिए निरंतर बाहरी परिस्थितियों से लड़ना होता है। कठिन प्रयास करने के बाद मनचाहा लक्ष्य पा लेना ही सफलता नहीं है। यह कोई अंतिम मंजिल नहीं है। अगर आप सुविधा भोगी हो?जाते हैं, तो एक समय बाद अंतहीन दुख आपको घेर सकते हैं। अपनी आंतरिक आवाज सुनें और कर्म करते रहें।

यूं ही नहीं बनता कोई यशस्वी महानायक

भारत के यशस्वी महानायक नरेंद्र मोदी का आज जन्म दिवस है। प्रधानमंत्री की 75 वीं वर्षग्रंथि पर उन्हें हार्दिक बधाई और अनंत शुभकामनाएं देने की मंशा से जब मैं अपने इस लेख की शुरुआत कर रहा हूं तब बरबस ही मुझे दिवंगत राष्ट्रकवि श्री मैथिलीशरण गुप्त की निम्नलिखित पंक्तियां याद आ रही हैं -

जितने कष्ट कंटकों में है,
जिनका जीवन सुमन खिला।
गौरव -गंध उन्हें उतना ही
यत्र - तत्र - सर्वत्र मिला ?।

नामुमकिन को मुमकिन बनाने की सामर्थ्य का वरदान देकर ईश्वर ने जिस महामानव को आज से तीन चौथाई शती पूर्व भारत की पावन धरा पर भेजा था उसने अपना सफर शून्य से शुरू किया और पृथ्वी पर अपने जीवन को सार्थक बनाने के संकल्प के साथ हिंदी के मूर्धन्य कवि स्व. श्री ब्रजराज पांडेय की निम्नलिखित पंक्तियों को अपने जीवन का आदर्श बना लिया -

कर्मवीर के आगे पथ का ,
हर पत्थर साधक बनता है,
दीवारें भी दिशा बतातीं में
जब मानव आगे बढ़ता है।

विधाता ने बालक नरेन्द्र को दिए गए वरदान की पात्रता सिद्ध करने के लिए बचपन से ही उसके इम्तहान लेना शुरू कर दिए लेकिन बेहद गरीबी के दिनों में भी उस मासूम बालक ने कभी हार नहीं मानी । पग पग पर उसे भयावह मुसीबतों का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बालमन में तो मानों सुप्रसिद्ध गीतकार नीरज की इन पंक्तियों ने वह अटूट साहस और आत्मविश्वास कूट कूट कर भर दिया था जो आगे चलकर उसके जीवन में आश्चर्यजनक उपलब्धियों का मूल मंत्र बन गया-

कांटों कंकड़ भरी डगर हो,
या प्याले में भरा जहर हो,
पीड़ा जिसकी पटरानी है,
उसको हर मुश्किल मरहम है।

? बालक नरेन्द्र ने जब युवावस्था में प्रवेश किया तो तन मन धन से मातृभूमि की सेवा करने का संकल्प ले लिया और अपने इस पुनीत संकल्प को पूरा करने के लिए नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए और आज भी खुद को सबसे पहले संघ का स्वयं सेवक कहलाना पसन्द करते हैं। नरेंद्र मोदी कहते हैं कि संघ में मिले संस्कारों ने ही आज उन्हें उस मुकाम तक पहुंचाया है जहां कोटि कोटि जनता के हृदय सम्राट के रूप में उनकी पहचान बन चुकी है। आज वे देश के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता माने जाते हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में जो करिश्माई लोकप्रियता अर्जित की है उसे चुनौती देने का साहस समकालीन किसी राजनेता में नहीं है। नरेंद्र मोदी ने उल्लेखनीय उपलब्धियों के कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपने साहसिक फैसलों से नामुमकिन को मुमकिन बनाने में उन्होंने समय समय पर जो ऐतिहासिक सफलताएं अर्जित की हैं उनसे विपक्ष भी दांतों तले अंगुली दबाने के लिए विवश हुआ है। पिछले ग्यारह वर्षों में केंद्र सरकार ने अनेकों ऐसे फैसले लिए हैं जो प्रधानमंत्री की अद्भुत इच्छा शक्ति के परिचायक हैं। अयोध्या विवाद का शांतिपूर्ण समाधान, तीन तलाक़ कानून की समाप्ति और संविधान में जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद का निष्प्रभावी करण इसी श्रेणी में रखे जा सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी के फैसलों ने यह साबित कर दिया है कि वे उनके लिए महिलाओं, किसानों और युवाओं के हित सर्वोपरि हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्रों की कतार में अग्रणी स्थान पर प्रतिष्ठित करने का जो सुनहरा स्वप्न संजोया है उसके साकार करने के लिए वे प्राणपण से जुटे हैं। पूर्व उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू ने एक बार विनोद के लहजे में कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी न तो खुद सोते हैं,न ही अपने सहयोगियों को सोने देते हैं। एक कहावत है कि ÷लीक छोड़ तीनों चलें शायर सिंह सपूत÷ , मां भारती के अनन्य सपूत नरेंद्र मोदी की विलक्षण कार्यशैली पर यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। वे किसी की लकीर को छोटा करने के लिए खुद बड़ी लकीर खींचने में विश्वास रखते हैं। उनकी अद्भुत नेतृत्व क्षमता ने विश्व के बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों को भी उनके निकटतम मित्र परिवार में शामिल कर दिया है। आज अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर मोदी की राय अहम साबित होती है। मोदी जब भारत के साथ शरारत करने वाले पड़ोसी देशों को कठोर सबक सिखाने की ठान लेते हैं तो दुनिया भारत के पक्ष में आ खड़ी होती है। यही मोदी होने के मायने हैं । मोदी के प्रेरक व्यक्तित्व के इन्हीं दुर्लभ गुणों ने उन्हें यशस्वी महानायक बनाया है। इस लेख के अंत में मैं यह जिक्र अवश्य करना चाहूंगा कि मोदी के बहुमुखी व्यक्तित्व की खूबियों को उजागर करने वाली जो दो पुस्तकें मैंने अतीत में लिखी थीं वे यशस्वी मोदी और महानायक मोदी शीर्षक से ही प्रकाशित हुईं थीं। तब मेरे अनेक मित्रों ने कहा था कि दोनों किताबों के इससे बेहतर शीर्षक नहीं हो सकते थे।

कृष्णमोहन झा
(लेखक ÷*यशस्वी मोदी÷* *महानायक मोदी* किताब के लेखक है)

काशी से हिंद महासागर तक, रिश्तों का नया अध्याय शुरू, हिंद महासागर में और बढ़ेगा भारत का प्रभाव

(नीरज कुमार दुबे)

भारत द्वारा घोषित 215 मिलियन डॉलर की ग्रांट और 440 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत अस्पताल, वेटरनरी स्कूल, एयरपोर्ट टॉवर और सड़क परियोजनाएँ शामिल हैं। यह सहायता नहीं, बल्कि साझा भविष्य में निवेश है।

वाराणसी की प्राचीन धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगूलाम आमने-सामने बैठे, तो यह दृश्य केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं था। यह उस ऐतिहासिक सांस्कृतिक यात्रा का पुनर्पुष्टिकरण था, जो सदियों पहले गंगा की लहरों के साथ हिंद महासागर पार करके मॉरीशस पहुँची थी। भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल 'द्विपक्षीय साझेदारी' नहीं बल्कि रक्त-संबंधों जैसा है, जहाँ संस्कृति, परंपरा और प्रवासी भावना एक साझा सेतु का निर्माण करती है।

काशी केवल भारत की धार्मिक राजधानी नहीं, बल्कि विश्व के सबसे प्राचीन जीवित नगरों में एक है। यहाँ से निकली भारतीय संस्कृति ने मॉरीशस की मिट्टी में भी अपनी जड़ें जमाई हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'भारत और मॉरीशस परिवार हैं', तो यह वाक्य प्रवासी भारतीयों की पीढ़ियों के अनुभव का संक्षेप था। वाराणसी की यह मुलाकात भारत की सांस्कृतिक कूटनीति का एक उज्ज्वल उदाहरण है। देखा जाये तो आज का दौर केवल भावनाओं से नहीं चलता। हिंद महासागर की राजनीति में भारत और मॉरीशस की निकटता का सीधा संबंध रणनीतिक समीकरणों से है। चागोस समझौते पर भारत का समर्थन मॉरीशस की संप्रभुता को पुष्ट करता है और उपनिवेशवाद विरोधी भूमिका को सशक्त बनाता है। साथ ही समुद्री सुरक्षा, तटरक्षक जहाजों का पुनर्निर्माण, हाइड्रोग्राफी समझौता और उपग्रह सहयोग, ये सभी कदम हिंद महासागर में भारत को एक 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' के रूप में स्थापित करते हैं। इसके अलावा, चीन की बढ़ती उपस्थिति को देखते हुए यह सहयोग भारत की 'नेबरहुड फ़र्स्ट' और 'इंडो-पैसिफ़िक विज़न' को ठोस आकार देता है। साथ ही, भारत द्वारा घोषित 215 मिलियन डॉलर की ग्रांट और 440 मिलियन डॉलर की लाइन ऑफ क्रेडिट के अंतर्गत अस्पताल, वेटरनरी स्कूल, एयरपोर्ट टॉवर और सड़क परियोजनाएँ शामिल हैं। यह सहायता नहीं, बल्कि साझा भविष्य में निवेश है। जन औषधि केंद्र, आयुष संस्थान और सौर ऊर्जा परियोजना जैसी पहलें भारत की 'हेल्थ डिप्लोमेसी' और 'ग्रीन एनर्जी डिप्लोमेसी' की पहचान बन रही हैं। वैश्विक संदर्भ में इस साझेदारी का महत्व देखें तो आपको बता दें कि भारत-मॉरीशस साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है। यह ग्लोबल साउथ के छोटे द्वीप राष्ट्रों के लिए एक संदेश है कि भारत उनका विश्वसनीय साझेदार है। साथ ही यह अमेरिका, फ्रांस और चीन के प्रभाव वाले हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की भूमिका को और केंद्रीय बनाता है। इसके अलावा, यूपीआई और रुपे कार्ड के ज़रिये वित्तीय लेन-देन को स्थानीय मुद्राओं तक ले जाने का प्रयास वैश्विक आर्थिक ढांचे को चुनौती देने वाली पहल है।

देखा जाये तो काशी में हुई यह मुलाकात यह स्पष्ट करती है कि भारत और मॉरीशस का रिश्ता केवल कूटनीति का हिस्सा नहीं है।

नए साल में भोपाल में दौड़ेगी 100 ई-बसें, अभी 368 में से 95 बस ही चल रही

भोपाल। राजधानी भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बुरे हाल में है। पिछले एक साल में ढाई सौ से ज्यादा सिटी बसें बंद हो गईं। वर्तमान में 10 से ज्यादा रूटों पर सिटी बसें दौड़ती नजर नहीं आ रही हैं। ऐसे में अब ई-बसों को जल्दी चलाए जाने को लेकर कवायद तेज हो गई है। नगर निगम का दावा है कि नए साल में शहर में 100 ई-बसें दौडने लगेंगी। इसके बाद आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। पीएम ई-बस सेवा के फेस-1 में 100 बसें मिलेंगी। इसके लिए दो नए डिपो संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) और कस्तूरबा नगर में बनाए जा रहे हैं। नए बस ऑपरेटर का चयन भी हो चुका है। वहीं, दूसरे फेस में 95 बसें आएंगी। आरिफ नगर और कोलार रोड पर नए डिपो बनेंगे। इसके ऑपरेटर के चयन समेत अन्य प्रक्रिया बाकी है। बता दें कि मंगलवार को हुई जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में सिटी बसों का मुद्दा भी उठा था। 368 में से सिर्फ 95 सिटी बसें चलने पर सांसद आलोक शर्मा ने भी हैरानी जताई। सांसद शर्मा ने निगम कमिश्नर हरेंद्र नारायण से पूछा था कि किस ऑपरेटर की कितनी बसें चल रही हैं, ये बताएं? इतनी संख्या में बसें क्यों बंद हुईं? जबकि पब्लिक ट्रांसपोर्ट को तो बढ़ाना चाहिए। सांसद की बात से विधायक भगवानदास सबनानी ने भी सहमति जताई थी।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम मजबूत हो

इस मामले में सांसद शर्मा ने कहा, भोपाल का पब्लिक ट्रांसपोर्ट मजबूत होना चाहिए। जब मैं भोपाल का महापौर था, तब छात्र-छात्राएं, दिव्यांगजन, महिला, सीनियर सिटीजन, कर्मचारियों को महापौर स्मार्ट पास का फायदा किया था। यदि महापौर स्मार्ट पास बनने फिर से शुरू होंगे तो सबको फायदा मिलेगा। भोपाल की सडकों से एक साल में ढाई सौ सिटी बसें गायब होने का मुद्दा विधानसभा में भी उठा है। 25 रूट पर चलने वाली 368 बसों में से अभी सिर्फ 95 बसें ही दौड़ रही हैं। ऐसे में महिला, स्टूडेंट्स और नौकरीपेशा लोगों के लिए परेशानी उठानी पड़ रही है। हर रोज करीब 1 लाख लोग परेशान हो रहे हैं। दरअसल, टिकट कलेक्शन पर विवाद, पेनल्टी और हाईकोर्ट में याचिका दायर होने से ऑपरेटर्स ने इन बसों का संचालन बंद कर दिया। इस पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने विधानसभा में तारांकित प्रश्न लगाया था।

4 एजेंसी कर रही थीं संचालन

भोपाल में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के रूप में सिटी बसों का संचालन भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के जरिए 4 एजेंसी कर रही थीं। इनमें मां एसोसिएट्स, एपी मोटर्स, श्री दुर्गाबा और आई-मोबिलिटी एजेंसी शामिल हैं। ये एजेंसियां 25 रूट पर बसें चला रही थीं। इनमें से सबसे पहले पिछले साल 4 जुलाई को मां एसोसिएट्स ने 149 बसों का संचालन बंद किया था। इसकी वजह इन बसों में टिकिट कलेक्शन करने वाली एजेंसी चलो एप की ओर से प्रति किमी दी जाने वाली राशि घटाने की मांग थी। इस मामले में कोई निराकरण नहीं हुआ। ऐसे में इन बसों में रोजाना सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। अन्य एजेंसियां भी अपने हाथ पीछे खींचने लगी।

कांग्रेस जहां जीतती है, वहां वोट चोरी नहीं होती

भाजपा सांसद रवि किशन ने सेवा पखवाड़े के तहत सफाईकर्मियों का किया सम्मान, कहा राहुल के आरोपों पर बोले...

भोपाल। भोपाल पहुंचे गोरखपुर सांसद और भोजपुरी अभिनेता रवि किशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सेवा पखवाड़े के तहत सफाईकर्मियों का सम्मान किया। उन्होंने क्रेन पर चढकर बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा की सफाई की और माल्यार्पण किया। रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री का आशीर्वाद मिलना सौभाग्य की बात है। 140 करोड़ जनता उनके लिए प्रार्थना कर रही है और हमारी उम्र भी उन्हें लग जाए। उन्होंने कहा कि हम और ताकतवर बनें, ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को ऐसे ही प्रेम करते रहें, जैसा पिछले हफ्ते से उनका प्रेम जगा है। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर निशाना साधते हुए रवि किशन ने कहा कि अगर बीजेपी वोट चोरी करती तो हम 400 पार सीटें लाते और उत्तर प्रदेश में इतनी सीटें नहीं खोते। कांग्रेस जहां जीतती है, वहां वोट चोरी नहीं होती। उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन है, कल ट्रंप ने मैसेज किया, फोन पर बात की, ट्वीट किया और यूक्रेन-रूस युद्ध रुकवाने के लिए धन्यवाद कहा। यह राहुल जी जरूर पढ़ें, उनके सारे प्रश्नों का उत्तर मिल जाएगा। मोदी जी कभी झूठ नहीं बोलते, जब उन्होंने कहा कि ट्रंप ने मध्यस्थता नहीं की थी तो नहीं की थी। बीजेपी सांसद और भोजपुरी अभिनेता रविकिशन ने कहा है कि हम लोग बिहार में जीत रहे हैं। आईएएस, आईपीएस देने वाले बिहार ने ही उन्हें सुपर स्टार बनाया है। बिहार के हम ऋणी हैं। चुनाव में पूरी ताकत लगाएंगे और जीतकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस का समय नहीं है। अब पसीना बहाया जाता है। बीजेपी काम कर रही है तो उसका असर दिख रहा है। जो पसीना नहीं बहाएगा उसका टिकट कट जएगा। सांसद रवि किशन ने कहा कि प्रधानमंत्री से पहली बार मिले तो उन्होंने मेरे बारे में पूरी बातें बता दीं। जो मेरे बहुत से करीबी भी नहीं जानते। ऐसे में मेरा हाथ अपने आप उनके पैरों की ओर झुकने लगा तो पीएम मोदी ने रोकते हुए कहा कि ऐसा नहीं, भारत झुकेगा नहीं। उन्होंने कहा कि पहले कभी होता रहा होगा ऐसा पर अब नहीं होगा। रवि किशन ने कहा कि सदियों के बाद ऐसे लोग अवतरित होते हैं जिनका नाम नरेंद्र मोदी हैं। स्वदेशी, आत्मनिर्भर बनकर हम दुनिया में आगे बढ़ सकते हैं। चाइना स्वदेशी बनाकर आगे है। हम भी स्वदेशी अपनाएंगे तो भारत विकसित हो जाएगा। हमारे कॉटन का उपयोग खूब होता है और अब कॉटन से बने कपड़े विदेशों में देखने को मिलने लगे हैं और वहां मेड इन इंडिया लिखा दिखने लगा है।

उपभोक्ताओं को धारा 126 के प्रकरणों में दी 2 करोड़ 68 लाख से अधिक की छूट

30 सितंबर तक छूट प्राप्त करने का अवसर, ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन करें आवेदन

उपभोक्ता धारा 126 के प्रकरणों में छूट का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन करने की सुविधा दी गई है। आवेदन 30 सितंबर तक लिए जाएंगे।

भोपाल। म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्य क्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के 16 जिलों के उपभोक्ताओं के लिए धारा 126 में लंबित प्रकरणों में लोक अदालत की तर्ज पर छूट प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में अब तक कंपनी कार्यक्षेत्र के उपभोक्ताओं को लंबित प्रकरणों में 02 करोड़ 68 लाख 66 हजार की छूट प्रदान करते हुए 5995 प्रकरणों का निपटान किया गया है। कंपनी ने बताया कि भोपाल क्षेत्र में कुल 4596 प्रकरणों में 01 करोड़ 67 लाख 46 हजार की छूट प्रदान करते हुए 02 करोड़ 58 लाख, 99 हजार रूपए कंपनी के खाते में जमा कराए गए हैं। इसी तरह ग्वालियर क्षेत्र में कुल 1399 प्रकरणों में 01 करोड़ 01 लाख 20 हजार की छूट प्रदान करते हुए 01 करोड़ 67 लाख 45 हजार रूपए कंपनी के खाते में जमा कराए गए हैं।

उपभोक्ता धारा 126 के प्रकरणों में छूट का लाभ लेना चाहते हैं उन्हें ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन आवेदन करने की सुविधा दी गई है। आवेदन 30 सितंबर तक लिए जाएंगे। ऑनलाइन आवेदन के लिए उपभोक्ता कंपनी पोर्टल पर जाकर प्रदर्शित क्विक लिंक टैब में "Rebate As lokadalat in section 126" पर क्लिक कर आवेदन प्रस्तुत करना होगा। कंपनी के portal.mpcz.in पोर्टल पर कंज्यूमर आईडी की प्रविष्टि करते ही उपभोक्ता को धारा-126 में दर्ज लंबित प्रकरण प्रदर्शित होगा। उपभोक्ता को लोक अदालत की तर्ज पर धारा-126 में छूट प्राप्त किए जाने के लिये उपभोक्ता के परिसर या अन्य परिसर पर संयोजन के विरूद्ध विद्युत देयक की बकाया राशि नहीं है तथा विचाराधीन प्रकरण पर धारा 127 के अंतर्गत गठित अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष या किसी अन्य न्यायालय के समक्ष कोई अपील लंबित नहीं है न ही निर्णित है सत्यापित कर सबमिट करना होगा। इसके बाद उपभोक्ता ऑनलाइन भुगतान का विकल्प चयन कर भुगतान कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन के लिये उपभोक्ताओं के लिए नजदीकी विद्युत वितरण केन्द्र/जोन पर निर्धारित प्रारूप में आवेदन करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

कंपनी ने कहा है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के लंबित प्रकरणों में लोक अदालत की तर्ज पर छूट प्रदान कर प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माह के दौरान ही किया जाएगा। लोक अदालत की प्रक्रिया के अनुरूप निर्धारित मापदंडों के अधीन 10 लाख रूपए तक की सिविल दायित्व की राशि के समस्त घरेलू, समस्त कृषि, 5 किलोवाट तक गैर घरेलू व 10 अश्वशक्ति तक के औद्योगिक श्रेणी के लंबित प्रकरणों का आवेदन संबंधित उप महाप्रबंधक को दिया जाकर, आकलित राशि पर 20 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किए जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने पश्चात प्रत्येक 6 माही चक्रवर्ती दर अनुसार 16 प्रतिशत की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर, 100 फीसदी की छूट दी जाएगी। बशर्ते किसी प्रकरण में धारा 127 के अंतर्गत गठित अपील प्राधिकरण के समक्ष अथवा उच्च न्यायालय में कोई अपील लंबित न हो। कंपनी ने बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के अंतर्गत यदि एक संयोजन पर एक से अधिक प्रकरण दर्ज हैं तो एक साथ सभी प्रकरणों का भुगतान एक मुश्त किया जाना अनिवार्य है। यदि किसी एक संयोजन पर एक से अधिक विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 में प्रकरण दर्ज है तो उपभोक्ता को वितरण केन्द्र/ जोन पर संपर्क कर आवेदन करना होगा।

पुलिस आरक्षक भर्ती में हजारों अभ्यर्थी नहीं दे पाएंगे परीक्षा

भोपाल। मध्य प्रदेश में 3 साल बाद पुलिस आरक्षक की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया गया है। आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इधर लंबे समय से तैयारी कर रहे हजारों अभ्यर्थियों के लिए बड़ा झटका लगा है। दरअसल पुलिस आरक्षक भर्ती 2025 में आयु गणना को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की आयु गणना 29 सितंबर 2025 से की जाएगी, न कि 1 जनवरी 2025 से, जबकि मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने आबकारी विभाग के भर्ती में आयु की गणना 1 जनवरी 2025 से की है। पुलिस आरक्षक भर्ती में इस बदलाव के कारण, कई अभ्यर्थी जो पहले आवेदन करने के योग्य थे, अब आयु सीमा पार कर जाने के कारण परीक्षा में शामिल नहीं हो पाएंगे। अभ्यर्थियों ने इसे लेकर ईएसबी और पुलिस हैडक्वाटर (क्क॥त्त)में पत्र लिखकर आयु सीमा की गणना 1 जनवरी 2025 से करने की गुहार लगाई है। 29 सितंबर 2025 को जिन अभ्यर्थियों की आयु न्यूनतम 18 वर्ष और अधिकतम 33 वर्ष तक है वही इस भर्ती में शामिल हो सकते हैं। अगर किसी अभ्यर्थी की आयु 28 सितंबर को 33 साल हो गई तो वह इस परीक्षा में शामिल नहीं हो सकता हैं। ऐसे में हजारों अभ्यर्थी हैं जिनका एक-दो महीने पहले ही 33 वर्ष पूरा हो गया। उन्हें इस परीक्षा में शामिल होने का मौका नहीं मिल पाएगा। अभ्यर्थियों की मांग है कि आपकारी विभाग की तरह पुलिस आरक्षक भर्ती में भी आयु की गणना 1 जनवरी 2025 से की जाए।

भोपाल सांसद बोले- बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बने

भोपाल। भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब के संरक्षण और अतिक्रमण हटाने को लेकर अब सांसद आलोक शर्मा पदयात्रा करेंगे। उन्होंने बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बनाने की मांग भी उठाई है। कहा कि मैं भारत सरकार की एनवायरमेंट कमेटी के सामने यह मुद्दा उठाऊंगा। इस कमेटी में मैं शामिल हूं। सांसद शर्मा ने कहा, बड़ा तालाब शहर की लाइफ लाइन है। इसके 50 मीटर के दायरे में अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। बड़ा तालाब का मास्टर प्लान बने। इसके लिए मैं खुद काम कर रहा हूं। आने वाले समय में बड़ा तालाब के आसपास पदयात्रा करुंगा। उन्होंने बताया कि बड़ा तालाब में ढाई सौ से अधिक जलीय और औषधीय पौधे लगे हैं। उनका संरक्षण करना है। 36 किमी की पदयात्रा करेंगे सांसद बड़ा तालाब के आसपास पदयात्रा करेंगे, जो 36 वर्ग किमी है। हालांकि, साल 2016 में हुए डीजीपीएस सर्वे की 2017 में आई रिपोर्ट में इसे 38.72 वर्ग किमी बताया गया था। तालाब के एफटीएल से 50 मीटर की दूरी तक निर्माण पर प्रतिबंध है। 361 वर्ग किमी के कैचमेंट में भी कई पाबंदी हैं। बावजूद कब्जा है। समय-समय पर जिला प्रशासन कार्रवाई तो करता है, लेकिन बाद में मामला ठंडा पड़ जाता है। 20 लाख से अधिक पेड़ जानकारी के अनुसार, बड़ा तालाब के चारों ओर करीब 20 लाख पेड़ हैं। सांसद शर्मा ने तालाब में ही ढाई सौ से ज्यादा जलीय औषधीय पौधे होने की बात कही है। वहीं, बड़ी संख्या में जलीय जीव-जन्तु भी हैं। बता दें कि पिछले 60 साल में तालाब में आई गाद से करीब 25 अरब लीटर जलग्रहण क्षमता कम हुई है। बड़े तालाब के 50 मीटर दायरे में 1300 से ज्यादा चिह्नित किए जा चुके हैं। भदभदा, बैरागढ़ और सीहोर रोड यानी तालाब के हर छोर के आसपास तेजी से निर्माण हुए हैं। पिछले एक साल में लालघाटी से बैरागढ़ के बीच कुछ मैरिज गार्डन पर कार्रवाई भी की गई है।

संस्था पर कब्जे और करोड़ों की गड़बड़ी का आरोप

आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो में हुई शिकायत

भोपाल। इंद्रपुरी आशा शिक्षा समिति से जुड़ी नीलिमा जौहरी ने संस्था पर कब्जे और करोड़ों रुपये की गड़बड़ी का गंभीर आरोप लगाते हुए आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है। समिति से लंबे समय से जुड़े एक कर्मचारी और उनकी पत्नी पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर समिति पर अवैध कब्जा कर संस्था से जुड़े स्कूल की फीस की करोड़ों की राशि का निजी उपयोग करने का आरोप है। फर्जी दस्तावेजों से कब्जे का आरोप नीलिमा जौहरी ने शिकायत में कहा है कि वर्ष 1996 से संचालित इस समिति का संचालन उनके पति के निधन तक पारदर्शी ढंग से होता रहा। लेकिन 2016 में पति के निधन के बाद कर्मचारी ने फर्म एंड सोसायटी के अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी दस्तावेज तैयार कर समिति पर कब्जा कर लिया। नवंबर 2016 में रजिस्ट्री ने उनके द्वारा पेश की गई सदस्य सूची को अवैध मानकर निरस्त भी किया था, इसके बावजूद 2017 से उन्होंने नियमों के खिलाफ संस्था का संचालन शुरू कर दिया। 15 करोड़ से अधिक की गड़बड़ी का आरोप शिकायत में कहा गया है कि समिति द्वारा संचालित माइल स्टोन पब्लिक स्कूल की जिम्मेदारी भी उक्त कर्मचारी को दी गई थी। स्कूल में करीब 350 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं और वार्षिक फीस आय 1.25 से 1.50 करोड़ रुपये के बीच होती है। पिछले दस वर्षों में लगभग 15 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई, लेकिन इसका कोई हिसाब संस्था में प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोप है कि यह पूरी राशि निजी उपयोग में ली गई। धमकी देने का भी आरोप शिकायत में यह भी कहा गया है कि जब संस्था से जुड़े लोगों ने फीस और आय-व्यय का ब्यौरा मांगा तो कर्मचारी ने जानकारी देने से इनकार कर दिया। यहां तक कि नीलिमा जौहरी को जान से मारने की धमकी भी दी गई। मिलीभगत का दावा नीलिमा जौहरी ने आरोप लगाया है कि फर्म एंड सोसायटी के एक कर्मचारी संजय सीठा की मिलीभगत से दस्तावेजों में हेरफेर कर संस्था को अपने कब्जे में लेने का प्रयास किया गया। न्याय की मांग शिकायत में नीलिमा जौहरी ने ईओडब्ल्यू से मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाए और संस्था को उसके वास्तविक स्वरूप में वापस दिलाया जाए।

मप्र में 30 सितंबर में शुरू होगी मानसून की विदाई

भोपाल। राजधानी भोपाल, ग्वालियर समेत प्रदेश के 34 जिलों में सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो चुका है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि मध्य प्रदेश में अभी तक औसत से 20 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। पूर्वी मध्य प्रदेश औसत से 16 प्रतिशत अधिक जबकि पश्चिमी मध्य प्रदेश औसत से 22 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। प्रदेश में मानसून की विदाई 30 सितंबर से शुरू होगी जो 10 अक्टूबर तक चलेगी। आने वाले दिनों में प्रदेश में हैवी बारिश होने की संभावना है। सितंबर के पूरे महीने प्रदेश में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश का दौर बना रहेगा।

इन जिलों में कोटे से ज्यादा बारिश

प्रदेश 34 जिलों में कोटे से ज्यादा बारिश हो चुकी है, उनमें भोपाल, ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया, सागर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, रतलाम, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, अलीराजपुर, बड़वानी, बुरहानपुर, कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, डिंडौरी, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सिंगरौली, सीधी, सतना, नर्मदापुरम, उमरिया शामिल हैं।

जाने किन जिलों ज्यादा कहां कम हुई बारिश

मौसम विभाग के आकड़े के अनुसार अभी तक प्रदेश के गुना में सबसे ज्यादा पानी गिरा है। करीब 65 इंच बारिश दर्ज की ज चुकी है। मंडला में 58 इंच से ज्यादा पानी गिर चुका है। श्योपुर, शिवपुरी और अशोकनगर भी सबसे ज्यादा बारिश वाले टॉप-5 जिलों में शामिल हैं। जबकि खरगोन में अब तक 26 इंच बारिश भी नहीं हुई है। बुरहानपुर, शाजापुर, बड़वानी और खंडवा सबसे कम बारिश वाले टॉप-5 जिलों में शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अभी आधा सितंबर बाकी है। ऐसे में इन जिलों में भी मानसून की तस्वीर बेहतर हो सकती है।

प्रदेश के 10 जिलों में हुई बारिश

मध्य प्रदेश में मंगलवार को 10 जिलों में बारिश हुई। सबसे ज्यादा छिंदवाड़ा में पौने दो इंच बारिश दर्ज हुई, वहीं बैतूल में सवा इंच बारिश दर्ज की गई। जबकि जबलपुर में पौन इंच, सतना में आधा इंच पानी गिरा। इसके अलावा उमरिया, शिवनी, सागर, नरसिंहपुर, दमोह और रायसेन में भी हल्की बारिश दर्ज की गई। जबकि राजधानी भोपाल में मौसम साफ रहता दिनभर धूप खिली रही।

आडंबर और पाखंड पर तीखा प्रहार करने वाले महानायक थे पैरियर- दामोदर यादव

बाबा साहब का अपमान करने वालों पर चले देश द्रोह का मुकदमा - DPSS

भोपाल के बाद जबलपुर, ग्वालियर,इंदौर सहित सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम करके पेरियार और ललाई सिंह के विचारों से अवगत करायेंगे और अपने आंदोलन को और मजबूत करेंगे।

भोपाल। सामाजिक न्याय का आंदोलन सदियों से भारत में चलता जा रहा है और धीरे धीरे ही सही लेकिन परिवर्तन भी आ रहा है। यह सब देंन जिन महापुरुषों की है उनमे से बेहद महत्वपूर्ण सख्स थे ई.व्ही. रामास्वामी पेरियार जी जिन्होंने पाखंड और अंधविश्वास पर सबसे ज्यादा तीखा हमला भी किया और इतिहासिक आंदोलन भी चलाया। उक्त बात दलित पिछड़ा समाज संगठन ऊढरर के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल में बिट्टन मार्केट स्थित महात्मा फुले भवन में उनकी जयंती कार्यक्रम के अवसर पर कहीं। यादव ने कहा कि हम यह शपथ लेते हैं कि पेरियार के विचारों और संघर्ष को जन जन तक पहुँचाने के लिए सम्पूर्ण प्रदेश में विचार विस्तार कार्यक्रम चलायेंगे। भोपाल के बाद जबलपुर, ग्वालियर,इंदौर सहित सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यक्रम करके पेरियार और ललाई सिंह के विचारों से अवगत करायेंगे और अपने आंदोलन को और मजबूत करेंगे। यादव ने कहा कि 2014 में जब से मोदी सरकार केंद्र में बनी तभी से तथाकथित कथावाचकों और स्वम्भू जगत गुरुओं की बाढ़ सी आ गई है और सभी का सिंगल एजेंडा है कि भारतीय संविधान को नकारो बाबा साहब को अपमानित करो और भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का नारा देकर झूठी दुकाने चलाओ। दो दिन पूर्व ही रामभद्राचार्य ने किसी इंटरव्यू में कहा कि बाबा साहब को संस्कृत नहीं आती थी संविद्जभी उन्होंने नहीं लिखा था और उन्होंने मनुस्मृति जलाकर पाप किया। भारत रत्न बाबा सहाव का अपमान करने वालीं पर ऋकफ दर्ज हो और राष्ट्र द्रोह का मुकदमा चलना चाहिए।इस अवसर पर ऊढरर के प्रदेश अध्यक्ष बलबहादुर बघेल ने कहा कि मुझे गर्व है कि पैरियर जैसे महापुरुष ने मेरी जाति में जन्म लिया इस नाते वह मेरे पूर्वज हैं यह बात मुझे मेरी समाज जनों तक पहुँचानी है। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित बंसोड़, अमोल रावत, महासचिव कमल कुशवाह,सुनीता धावरे, अमित लोधी, सौरभ यादव, संजीव खेरवार, भोपाल जिला अध्यक्ष दिलीप मसके,जितेंद्र अहीरवार, सरदार आदि नेताओं ने भी विचार व्यक्त किए। मंच संचालन केदार कौरव ने किया।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान में फिर चीन की घुसपैठ! सीमा में 24 विमान और 11 नौसैनिक जहाज़ों ने की घेराबंदी

बीजिंग/ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार सुबह जानकारी दी कि उसने अपने आस-पास चीन के 24 लड़ाकू विमान, 11 नौसैनिक जहाज़ और 6 सरकारी जहाज़ देखे हैं।मंत्रालय ने बताया कि इनमें से 15 विमान ताइवान की वायु सीमा में घुस आए और उत्तर, दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी हिस्सों में देखे गए। सोमवार को भी ताइवान ने इसी तरह की गतिविधि दर्ज की थी, जब चीन के 26 विमान और 9 जहाज़ उसकी सीमा के पास आए थे। इस विवाद की जड़ें 1949 की चीनी गृहयुद्ध से जुड़ी हैं, जब ताइवान में रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार बनी और बीजिंग पर कम्युनिस्टों का कब्जा हुआ। ताइवान खुद को एक स्वतंत्र देश मानता है और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए चीन की हर गतिविधि पर नज़र रखता है। रक्षा मंत्रालय नियमित रूप से इन घुसपैठों की जानकारी जनता के साथ साझा करता है। ताइवान की जनता भी अपनी स्वतंत्रता और संप्रभुता बनाए रखने के पक्ष में है। साफ़ है कि ताइवान और चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है और हाल की ये सैन्य गतिविधियाँ उसी का हिस्सा हैं।

म्यांमार में बोर्डिंग स्कूल के 19 छात्र सैन्य हवाई युद्ध में मरे

नाएप्यीडॉ, एजेंसी। एक जातीय मिलिशिया (अराकान आर्मी) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पिछले हफ्ते एक बोर्डिंग स्कूल पर म्यांमार की सेना के हवाई हमले में -19 छात्र मारे गए। मृतकों की उम्र 15 से 21 वर्ष थी। संयुक्त राष्ट्र की बाल एजेंसी यूनिसेफ ने भी कहा कि म्यांमार के अशांत रखाइन प्रांत के क्याउक्तों टाउनशिप स्थित बोर्डिंग स्कूल में बच्चे मारे गए और घायल हुए। उसने मृतक संख्या नहीं बताई। बता दें, म्यांमार की सत्तारूढ़ सेना ने दिसंबर में प्रस्तावित चुनाव से पहले नियंत्रण अभियान तेज कर दिया है। यूनिसेफ ने कहा, यह हमला रखाइन प्रांत में बढ़ती विनाशकारी हिंसा की प्रवृत्ति को और बढ़ाता है, जिसकी अंतिम कीमत बच्चों और परिवारों को चुकानी पड़ रही है। राष्ट्रीय एकता सरकार ने कहा कि पिछले महीने सेना द्वारा देश भर में किए गए लगभग 500 हवाई हमलों में 40 से ज्यादा बच्चे मारे गए और 15 स्कूल प्रभावित हुए। बांग्लादेश की सीमा से लगे रखाइन प्रांत में सेना और तटीय क्षेत्र के लिए अधिक स्वायत्तता की मांग करने वाली अराकान आर्मी के बीच महीनों से भीषण लड़ाई चल रही है। यह लंबे समय से म्यांमार का सबसे अशांत राज्य रहा है।

मस्क की स्टारलिंक सेवा रुकने से यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अरबपति और इंटरनेट सेवा प्रदाता स्टारलिंक के मालिक एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक सेवा सोमवार को कुछ देर तक बाधित होने के बाद फिर चालू हो गई। ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दोपहर बाद अधिकांश उपयोगकर्ताओं के लिए यह चालू हो गई। 12:35 बजे तक अमेरिका में 43,000 से ज्यादा यूजर्स प्रभावित हुए। इस बाधा ने रूस के साथ चल रहे युद्ध में यूक्रेन की अग्रिम पंक्ति को भी प्रभावित किया। यूक्रेन के ड्रोन बलों के कमांडर रॉबर्ट ब्रोवडी ने बताया कि स्टारलिंक की रुकावट ने सुबह 7:28 बजे से रूस के साथ युद्ध की पूरी अग्रिम पंक्ति पर असर डाला। इससे यूक्रेनी सेनाओं के युद्ध संचार व ड्रोन अभियान प्रभावित हुए।

फ्री नॉर्थ कोरिया रेडियो के संस्थापक किम सियोंग मिन का निधन

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के मशहूर रेडियो प्रसारक किम सियोंग मिन का 63 साल की उम्र में निधन हो गया। किम सियोंग मिन ने रेडियो प्रसारण, यूएसबी स्टिक और सूत्रों के नेटवर्क की मदद से उत्तर कोरियाई जनता को उनकी सत्तावादी सरकार की सच्चाई बताई। किम सियोंग उत्तर कोरिया के निवासी थे, लेकिन वे भागकर दक्षिण कोरिया पहुंच गए। दक्षिण कोरिया में किम सियोंग ने फ्री नॉर्थ कोरिया रेडियो की स्थापना की। किम सियोंग को शुक्रवार को सियोल के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। किम सियोंग कई वर्षों से फेफड़ों के कैंसर से जूझ रहे थे। किम सियोंग ने उत्तर कोरियाई सेना में बतौर कैप्टन काम किया था और साल 1999 में सियोंग भागकर दक्षिण कोरिया पहुंच गए थे। अपने रेडियो कार्यक्रम मे किम सियोंग, उत्तर कोरिया से भागकर दक्षिण कोरिया पहुंचे लोगों की सफलता की कहानियां, उत्तर कोरियाई शासक की विलासितापूर्ण जिंदगी और विभिन्न राजनीतिक खबरों की जानकारी दी जाती थी।

इजरायल ने रात भर बरसाए गोले

चारों ओर आग और गहरा काला धुंआ

गाजा, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री ने गाजा शहर पर रात भर हुए भारी हमलों के बाद मंगलवार को कहा कि गाजा जल रहा है। इजरायल काट्ज की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इजरायल गाजा शहर पर नए हमले की योजना बना रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इजरायल से कतर जाते समय पत्रकारों से बातचीत में संकेत दिया कि आक्रमण शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, 'इजरायलियों ने वहां कार्रवाई शुरू कर दी है। इसलिए हमें लगता है कि हमारे पास समझौते के लिए बहुत कम समय बचा है।' रुबियो ने कहा कि हमारे पास अब महीने नहीं हैं, हमारे पास शायद कुछ दिन या शायद कुछ हफ्ते ही बचे हैं।

अमेरिकी मीडिया आउटलेट एक्सियोस ने इजरायली अधिकारियों के हवाले से ताजा जानकारी दी। इसने बताया कि इजरायल की सेना ने गाजा शहर पर कब्जा करने के लिए जमीनी हमला शुरू किया है। टाइम्स ऑफ इजरायल के अनुसार, आईडीएफ हाल के दिनों में शहर और उसके आसपास हवाई हमलों का धीरे-धीरे विस्तार कर रहा है, लेकिन उसने घनी आबादी वाले उत्तरी शहर में जमीनी सैनिकों को नहीं भेजा है। गाजा में स्थानीय सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने गाजा शहर में किसी भी इजरायली टैंक के घुसपैठ से इनकार किया है। हवाई हमले और ड्रोन से बमबारी गाजा शहर के स्थानीय लोगों के अनुसार, अभी तक शहर के अंदरूनी हिस्सों में इजरायली टैंकों के प्रवेश या आवाजाही का कोई दृश्य नहीं देखा गया है। लेकिन उन्होंने गाजा शहर के अधिकांश हिस्सों में तीव्र हवाई हमलों और ड्रोन बमबारी की पुष्टि की है। चारों ओर आग की लपटें और गहरा काला धुंआ नजर आ रहा है। फिलिस्तीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने मंगलवार तड़के खबर दी कि इजरायली सेना ने सोमवार रात से गाजा शहर पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। इजरायली युद्धक विमान शहर पर लगातार हमले कर रहे हैं और रुकने का नाम नहीं ले रहे। हाल के हफ्कों में 10 लाख की आबादी वाले गाजा शहर से लगभग तीन लाख फिलिस्तीनी भाग गए हैं।

गाजा पर अमेरिका ने भी मान लिया, कूटनीति से हल नहीं

तेल अवीव, एजेंसी। कतर में सोमवार को 60 मुस्लिम देशों की मीटिंग हुई, जिसमें इजरायल के खिलाफ प्रस्ताव पारित हुआ। वहीं उसी समय इजरायल में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो मौजूद थे। उन्होंने इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के साथ कई घंटे तक मीटिंग की और मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि गाजा में जारी जंग का कोई कूटनीतिक समाधान होने की उम्मीद नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि हमास एक आतंकी और बर्बर संगठन है। वह जब तक सरेंडर नहीं करेगा, तब तक फिलिस्तीन के मसले पर किसी समाधान की उम्मीद करना बेमानी होगा।

उनका यह स्टैंड अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से एकदम उलट है, जिन्होंने पिछले दिनों कहा था कि जल्दी ही गाजा में जंग समाप्त होगी। मार्को रुबियो के बयान से स्पष्ट है कि गाजा में अब इजरायल और आक्रामक हो सकता है क्योंकि उसे अमेरिका की ओर से समर्थन हासिल है। यही नहीं इजरायल ने गाजा पर हमले करना शुरू भी कर दिया है। सोमवार देर रात से ही इजरायल की ओर से गाजा पर हमले जारी हैं। रुबियो ने कहा कि हम चाहते हैं कि जंग समाप्त हो, लेकिन हमास एक आतंकी संगठन है, जो सरेंडर नहीं कर रहा है। उसके सरेंडर किए बिना गाजा में जंग का कोई कूटनीतिक

ब्रिटिश सांसद का खुलासा

पाकिस्तानी गैंग ने हजारों नाबालिग लड़कियों से किया रेप

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की संसद में सांसद क्रिस फिल्प ने हैरान करने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि देश में हज़ारों नाबालिग और असुरक्षित लड़कियों का यौन शोषण उन अपराधियों ने किया जो मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के थे। अपने बयान में फिल्प ने दावा किया कि ऐसे ज्यादातर अपराध पाकिस्तानी मूल के, मुस्लिम और अवैध प्रवासी पुरुषों द्वारा किए गए। फिल्प ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों और पुलिस ने लंबे समय तक इन अपराधों पर आंख मूंद ली , ताकि मुस्लिम समुदाय को आहत न किया जाए। ब्रैडफ़र्ड में तो एक पुलिस अधिकारी को सीधा आदेश दिया गया कि वह केस छोड़ दे। कई मामलों में पीड़िताओं को सुरक्षा देने की बजाय उन्हीं को गिरफ्तार कर लिया गया।

सांसद ने इसे अनैतिक कवर-अप करार दिया और कहा कि संस्थाओं ने अपराधियों को परोक्ष रूप से संरक्षण दिया। उन्होंने संसद में ज़ोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि इस पूरे मामले की राष्ट्रीय स्तर पर स्वतंत्र जाँच हो। सांसद ने कहा कि हजारों पीड़ित लड़कियाँ और महिलाएँ आजीवन आघात झेल रही हैं। समाजशास्त्रियों और पीड़ित संगठनों का कहना है कि इस चुप्पी और लापरवाही ने अपराधियों को और ताक़तवर बना दिया। फिल्प का यह बयान ब्रिटेन में लंबे समय से चल रहे उस विवाद को फिर से सामने लाता है, जिसमें अधिकारियों पर राजनीतिक शुचिता के नाम पर गंभीर अपराधों को छुपाने का आरोप लगता रहा है।

अदालत ने पलटा ट्रंप का फैसला

अपील कोर्ट ने फेडरल रिजर्व गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने पर लगाई रोक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अपीलीय अदालत ने राष्ट्रपति ट्रंप को झटका देते हुए उनके एक आदेश पर रोक लगा दी है। दरअसल ट्रंप ने फेडरल रिजर्व की गवर्नर लिसा कुक को पद से हटाने का आदेश दिया था, जिसे अब अपीलीय अदालत ने खारिज कर दिया है। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक होनी है, उससे पहले लिसा कुक की पद पर बहाली ट्रंप के लिए परेशानी खड़ी कर सकती है। लिसा कुक को पद से हटाने के लिए अब ट्रंप प्रशासन सुप्रीम कोर्ट का रुख कर सकता है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व आमतौर पर स्वतंत्र होता है और उसमें सरकार का दखल नहीं होता है। फेडरल रिजर्व एजेंसी के 112 साल के इतिहास में कभी किसी राष्ट्रपति ने फेडरल रिजर्व गवर्नर को पद से नहीं हटाया। लिसा कुक पर मॉर्गेज फ्रॉड (गृह ऋण में धोखाधड़ी) का आरोप लगा था। ये आरोप फेडरल हाउसिंग फाइनेंस एजेंसी (स्न।स्न) के डायरेक्टर बिल पुल्टे ने लगाए, जो ट्रम्प के कट्टर समर्थक और फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल के आलोचक माने जाते हैं। बिल पुल्टे का आरोप है कि जून 2021 में लिसा कुक ने मिशिगन में एक प्रॉपर्टी खरीदी थी और 15 साल के मॉर्गेज एग्रीमेंट में इसे अपना प्रिंसिपल रेजिडेंस यानी मुख्य घर बताया था। इसके एक महीने बाद जुलाई 2021 में कुक ने जॉर्जिया के

अटलांटा में एक और प्रॉपर्टी खरीदी और 30 साल के एग्रीमेंट में इसे भी अपना मुख्य घर बताया था। अमेरिका में मुख्य घर के लिए मिलने वाले लोन में ब्याज दरें कम होती हैं, और इस तरह के दावे से फायदा उठाने को मॉर्गेज फ्रॉड माना जा सकता है।नपुल्टे ने आरोप लगाया कि, जो महिला अपनी ब्याज बचाने के लिए झूठ बोल रही है, वह ब्याज दरों को कंट्रोल करने की जिम्मेदारी कैसे ले सकती है? ट्रंप ने भी इस मुद्दे को तूल देते हुए पहले कुक से इस्तीफा मांगा और फिर 22 अगस्त को एलान किया कि अगर कुक इस्तीफा नहीं देतीं, तो वह उन्हें बर्खास्त कर देंगे। आखिरकार, 26 अगस्त को ट्रंप ने कुक को फेडरल रिजर्व गवर्नर पद से हटा दिया। लिसा कुक फेडरल रिजर्व बोर्ड की पहली अश्वेत महिला गवर्नर हैं और उनकी मौजूदा नियुक्ति 2038 तक है।

सीनेट ने स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व बोर्ड में शामिल करने की मंजूरी दी: सीनेट ने राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी और उनके शीर्ष आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को फेडरल रिजर्व की गवर्निंग बॉडी में शामिल करने की मंजूरी दे दी है। फेडरल रिजर्व बोर्ड में अभी दो गवर्नर क्रिस्टोफर वालर और मिशेल बोमैन की नियुक्ति ट्रंप ने की थी। हाल ही में एक अन्य गवर्नर, एड्रियाना कुगलर ने इस्तीफा दिया था, जिसके बाद कुगलर की जगह ट्रंप ने अपने आर्थिक सलाहकार स्टीफन मिरान को नामित किया था। अगर कुक भी पद से हट जाती हैं तो उनकी जगह फिर कोई ट्रंप समर्थक फेड बोर्ड में शामिल होगा और इस तरह बोर्ड में ट्रंप समर्थकों का दबदबा हो जाएगा। इसके बाद ट्रंप फेडरल रिजर्व संबंधी नीतियों पर अपना प्रभाव डाल सकेंगे।

फेड की ब्याज दर निर्धारण समिति मंगलवार और बुधवार को सभी सात गवर्नरों और 12 क्षेत्रीय बैंक अध्यक्षों के साथ बैठक करेगी। इन 19 अधिकारियों में से बारह केंद्रीय बैंक की अल्पकालिक ब्याज दर में बदलाव पर मतदान करेंगे। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने पिछले महीने संकेत दिए थे कि फेडरल रिजर्व इस बैठक में ब्याज दरों में कटौती कर सकता है।

अमेरिका का वेनेजुएला की बोट पर फिर हमला, 3 की मौत

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने सोमवार को एक बार फिर वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की बोट पर हमला किया। इस हमले में 3 लोग मारे गए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दी। उन्होंने इन तस्करों को नार्को टेररिस्ट यानी ड्रग कार्टेल से जुड़े आतंकवादी बताया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मेरे आदेश पर अमेरिकी सेना ने ड्रग तस्करी करने वाले कार्टेल और नार्को टेररिस्ट पर स्ट्राइक की। ये लोग वेनेजुएला से नशीले पदार्थ अमेरिका की ओर ले जा रहे थे।

उन्होंने कहा कि ड्रग कार्टेल अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा, विदेश नीति और हितों के लिए बड़ा खतरा हैं। ट्रम्प ने यह भी बताया कि इस हमले में अमेरिकी बलों को कोई नुकसान नहीं हुआ। दो हफ्ते पहले भी अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के कुख्यात ट्रेन डी अरागुआ गैंग से जुड़े 11 लोगों को मार गिराने का दावा किया था। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी संकेत दिए कि अमेरिका ड्रग कार्टेल के खिलाफ और बड़े हमले कर सकता है। अमेरिका ट्रेन डी अरागुआ गिरोह को आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। हालांकि अमेरिकी संसद ने ट्रेन डे अरागुआ या वेनेजुएला के खिलाफ किसी तरह की सैन्य कार्रवाई को मंजूरी नहीं दी है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक ऐसा पहले कभी नहीं हुआ जब किसी देश ने आत्मरक्षा के नाम पर ड्रग्स तस्करी के शक में लोगों को उड़ा दिया हो। ट्रम्प प्रशासन ने फरवरी, 2025 में वेनेजुएला के ट्रेन डी अरागुआ, अल सल्वाडोर के रूब-13 और मेक्सिको के छह ड्रग कार्टेल्स को विदेशी आतंकी संगठन घोषित किया था। आमतौर पर यह दर्जा अल-कायदा या इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकी संगठनों के लिए होता है, लेकिन ट्रम्प प्रशासन ने कहा कि ये गिरोह ड्रग तस्करी, मानव तस्करी और हिंसा के जरिए इतना बड़ा नुकसान पहुंचा रहे हैं कि इन्हें आतंकी संगठन माना जाना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पिछले हफ्ते कहा था कि सरकार को ड्रग तस्करों के खिलाफ सैन्य बल इस्तेमाल करने का अधिकार है। लेकिन अमेरिकी कानून के जानकारों के मुताबिक ऐसा नहीं है। आतंकवादी घोषित करने से सरकार उनकी संपत्ति जब्त कर सकती है या उन पर वित्तीय पाबंदी लगा सकती है, लेकिन युद्ध जैसी कार्रवाई का अधिकार नहीं मिलता। 2001 में संसद ने अल-कायदा और तालिबान के खिलाफ अफगानिस्तान में सैन्य बल इस्तेमाल करने की मंजूरी दी थी।

पत्नी के साथ घर देखने गया शख्स, दरवाजा खोलते ही दरवाजा खोलते ही मिली लाश

ओहियो एजेंसी। हर कोई अपने सपनों का घर खरीदने का सपना देखता है लेकिन क्या हो अगर आपका सपनों का घर किसी भयानक राज़ को छुपाए हो? अमेरिका के ओहियो में एक कपल के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। एक शख्स अपनी बीवी के साथ घर खरीदने के इरादे से प्रॉपर्टी का मुआयना करने गया था लेकिन जैसे ही उन्होंने दरवाजा खोला अंदर का खौफनाक मंजर देखकर उनके होश उड़ गए।

यह घटना 10 सितंबर की है। एक रियल एस्टेट एजेंट ने कपल को घर की चाबी दी थी ताकि वे अकेले घर को देख सकें। जब वे पीछे के दरवाजे से अंदर गए तो उन्हें एक अजीब और भयानक बदबू महसूस हुई। जैसे ही वे कमरे में पहुंचे उन्होंने देखा कि फर्श पर एक बुरी तरह से सड़ी हुई लाश पड़ी है। इस खौफनाक मंजर को देखकर कपल बुरी तरह से डर गया और उन्होंने तुरंत पुलिस को फोन किया।

पुलिस को सुबह 10 बजे डेल्फोस एवेन्यू पर स्थित घर से सूचना मिली। पुलिस सार्जेंट क्रेगी कोलमैन ने बताया कि लाश इतनी बुरी तरह से गल चुकी थी कि यह पता लगाना मुश्किल था कि वह कौन है। पुलिस को शक है कि शव कई दिनों से घर में पड़ा था। पड़ोस में रहने वाले डोनाल्ड अर्नोल्ड ने बताया कि पिछले दो हफ्तों से घर से असहनीय बदबू आ रही थी। उन्हें लगा था कि कोई जानवर मर गया होगा इसलिए उन्होंने करीब जाकर जांच नहीं की।

रेजा-रेजा हो गए..., ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी मसूद अजहर के परिवार की मौत पर जैश कमांडर का कबूलनामा

लाहौर, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर का दर्द पाकिस्तान और आतंकवादियों के मन में अब भी बैठा है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के महीनों बाद जैश-ए-मोहम्मद के एक कमांडर ने कबूला है कि आतंकवादी संगठन के शीर्ष कमांडर मसूद अजहर के परिवार को बहावलपुर में जान गंवानी पड़ी।

इंटरनेट पर वायरल एक वीडियो में जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर मसूद इलियास कश्मीरी को यह बताते हुए सुना जा सकता है कि कैसे भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों में घुसकर उन पर हमला किया। मसूद इलियास कहता है, आतंकवाद को गले लगाते हुए, हमने इस देश की सरहदों की हिफाजत की है। इसके लिए

दिल्ली, काबुल और कंधार से जंग लड़ी। अपना सब कुछ कुर्बान करने के बाद 7 मई को मौलाना मसूद अजहर के परिवार को भारतीय सेना ने बहावलपुर में मार गिराया। बहावलपुर को निशाना इसलिए बनाया गया क्योंकि यह जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। लाहौर से लगभग 400 किलोमीटर दूर, जामिया मस्जिद सुभान अल्लाह में जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय है, जिसे उस्मान-ओ-अली परिसर के नाम से भी जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से बैन आतंकवादी मसूद अजहर की तरफ से कश्मीर में जिहाद के नाम पर उकसाया जाता है। 2000 के दशक की शुरुआत में गठित जैश ए मोहम्मद पिछले 20 साल से भारत में आतंकी हमले कर रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद, पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि मसूद अजहर ने एक बयान जारी कर कबूला था कि भारतीय ऑपरेशन में उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए थे।

दोहा पर हमले से पहले नेतन्याहू ने ट्रंप को बता दिया था

उन्होंने मना नहीं किया; दावे से हड़कंप

दोहा, एजेंसी। इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा में पिछले हफ्ते हमास के नेताओं पर हवाई हमला किया था। रिपोर्ट में अब दावा किया गया है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसकी सूचना पहले ही दे दी थी। ट्रंप को यह जानकारी अटैक से करीब 50 मिनट पहले दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 7 इजरायली अफसरों ने एक्सिओस को बताया कि व्हाइट हाउस को पिछले मंगलवार को मिसाइलें दागने से पहले खबर मिल गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप ने हमले के बाद कहा था कि यूएस को दोहा स्ट्राइक की ठीक तरीके से चेतावनी नहीं मिली थी। उन्होंने कोशिश तो की मगर कतर को वार्निंग देने का समय ही नहीं मिला। वह इस घटना से बहुत नाराज भी हुए।

डोनाल्ड ट्रंप ने रिपोर्टर्स से कहा कि इजरायल को कतर के साथ डील करते वक्त बहुत सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कतर को यूएस का शानदार सहयोगी भी बताया। हालांकि, हमले को लेकर रिपोर्ट में जो दावा किया गया है वो ट्रंप के बयान से अलग है। इसमें कहा गया कि इजरायल ने जब नोटिस भेजा, तब ट्रंप के पास स्ट्राइक रोकने का पूरा टाइम था। तीन अफसरों ने बताया कि नेतन्याहू ने सुबह करीब 8 बजे ट्रंप को फोन किया और दोहा में धमाकों की पहली खबर इसके 50 मिनट बाद आई। सीनियर इजरायली अफसर ने एक्सिओस को कहा,

नेतन्याहू और ट्रंप के बीच पॉलिटिकल लेवल पर बात हुई। ट्रंप ने ना नहीं कहा। दूसरे अफसर का कहना था कि अगर ट्रंप रोकना चाहते तो रोक सकते थे, लेकिन प्रैक्टिकल में उन्होंने कुछ नहीं किया।

इजरायल से भड़कीं अरब सरकारें-दोहा में इजराली हमले में हमास के 5 गैर-प्रमुख सदस्य और एक कतरी सुरक्षा अधिकारी मारे गए। हालांकि, टॉप लीडर्स सुरक्षित बच गए। अरब सरकारें अटैक से भड़क उठी हैं। सोमवार को इस हमले को लेकर आपातकालीन बैठक हुई, जिसमें इजरायल के साथ कूटनीतिक संबंध रखने वाले देशों के नेता शामिल थे। इस बैठक में यहूदी राष्ट्र की कड़ी निंदा की गई। इजरायल ने हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के जवाब में गाजा पर आक्रमण शुरू किया था।

ट्रंप की मीडिया के खिलाफ जंग तेज

न्यूयार्क एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार और उसके चार पत्रकारों के खिलाफ सोमवार को 15 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है। अदालत के दस्तावेजों से यह जानकारी मिली। फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे में अखबार के दो पत्रकारों द्वारा लिखे गए और 2024 के चुनाव से पहले प्रकाशित कई लेखों और एक किताब का जिक्र है। इसमें कहा गया है कि ये ''राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण मानहानि करने की न्यूयॉर्क टाइम्स की दशकों पुरानी प्रवृत्ति का हिस्सा हैं। बयानों को लापरवाही से, बयानों के झूठ होने की जानकारी के साथ, और/या उनकी सच्चाई या झूठ की बेपरवाही से अनदेखी करते हुए प्रकाशित किया। न्यूयॉर्क टाइम्स ने मंगलवार सुबह इस बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लिए भेजे गए ईमेल का तत्काल जवाब नहीं दिया। मुकदमे की घोषणा करते हुए 'ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में, ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स पर उनके बारे में झूठ बोलने और उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाया और कहा कि यह रेडिकल लेफ्ट डेमोक्रेट पार्टी का एक ''आभासी मुखपत्र बन गया है। ट्रम्प ने अन्य मीडिया संस्थानों पर भी हमला बोला है, जिसमें जुलाई में द वॉल स्ट्रीट जर्नल और मीडिया कारोबारी रूपर्ट मर्डोक के खिलाफ 10 अरब अमेरिकी डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर करना भी शामिल है।

बीएसएसएस द्वारा एआई यूनिवर्सल यूनिवर्सिटी, मुंबई के सहयोग से आयोजित सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता (सीक्यू) पर व्याख्यान

भोपाल| नगर संवाददाता

भोपाल स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीएसएसएस) ने एआई यूनिवर्सल यूनिवर्सिटी के सहयोग से सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता (सीक्यू)- वैश्विक कार्यस्थल में विविधता और समावेशन का मार्ग प्रशस्त विषय पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान का आयोजन किया। इस सत्र का संचालन एआई यूनिवर्सल यूनिवर्सिटी के डीन - अंतर्राष्ट्रीयकरण, प्रो. विजय टंडन ने किया, जिन्होंने आज के वैश्वीकृत कार्य वातावरण में सांस्कृतिक अनुकूलनशीलता के बढ़ते महत्व पर छात्रों को संबोधित किया। प्रो. टंडन ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता (सीक्यू) विविध सांस्कृतिक परिवेशों में प्रभावी ढंग से कार्य करने की क्षमता है, और यह भविष्य के नेताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। उन्होंने सीक्यू विकसित करने की रणनीतियों की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिनमें आत्म-जागरूकता, विविध वातावरणों के संपर्क में आना, सहानुभूति, सक्रिय श्रवण, अनुकूलनशीलता और वैश्विक मुद्दों के ज्ञान का विस्तार शामिल है।

भविष्य के कौशलों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने सांस्कृतिक अनुकूलनशीलता के अलावा समस्या-समाधान, भावनात्मक बुद्धिमत्ता, आलोचनात्मक सोच, नवाचार, रचनात्मकता और रणनीतिक सोच की आवश्यकता पर बल दिया। दर्शकों को जोड़ने के लिए, उन्होंने वैश्विक ब्रांडों और लोगो पर इंटरैक्टिव क्विज़ आयोजित किए, और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में अंतर-सांस्कृतिक समझ से जोड़ा। वैश्वीकरण की चुनौतियों पर बोलते हुए, प्रो. टंडन ने बताया कि कई अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक उद्यम अंतर-सांस्कृतिक मतभेदों के कारण विफल हो जाते हैं।

उन्होंने छात्रों से विविधता को एक ताकत और समावेश को कार्यस्थल में सफलता का मार्ग मानने का आग्रह किया। एक प्रभावशाली वक्तव्य के साथ अपने संबोधन का समापन करते हुए, प्रो. टंडन ने कहा एआई आपकी नौकरियाँ नहीं लेगा; एआई में कुशल लोग लेंगे। इस सत्र का आयोजन प्रोफेसर डॉ. लैला साइमन और डॉ. महेंद्र विश्वकर्मा ने प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. स्मिता पिल्लई के मार्गदर्शन में किया था। इस कार्यक्रम में अंतिम वर्ष के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, जिन्होंने सांस्कृतिक रूप से विविध, प्रौद्योगिकी-संचालित भविष्य की तैयारी में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि की सराहना की।

सुरखी में सेवा पखवाड़ा : स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविरों का होगा आयोजन

'स्वस्थ नारी सशक्त परिवार' अभियान के तहत शिविरों की श्रृंखला आज से

भोपाल| नगर संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से लेकर गांधी जयंती तक प्रदेशभर में चल रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सुरखी विधानसभा क्षेत्र में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविरों की श्रृंखला आयोजित की जा रही है। प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि यह अभियान समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और सेवा भावना को प्रोत्साहित करने का माध्यम बनेगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शिविरों में पहुंचें और इसका लाभ लें।

18 से 29 तक स्वास्थ्य शिविर लगेंगे: खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत 18 सितंबर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जैसीनगर तथा 29 सितंबर को सुरखी में स्वास्थ्य शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में स्त्री रोग विशेषज्ञ, मेडिसिन विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ, अस्थि रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ और नाक-कान-गला रोग विशेषज्ञ सहित चिकित्सकों की अनुभवी टीम उपस्थित रहेगी। जैसीनगर में डॉ. सुधीर साहू, डॉ. संतोष पटेल, डॉ. धर्मेंद्र कनेरिया, डॉ. प्रशांत तिवारी, डॉ. अभिषेक ठाकुर, डॉ. अदिति दुबे और डॉ. अंकिता सिंह अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

जैसीनगर, राहतगढ़, और सुरखी में रक्तदान शिविर: खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि रक्तदान शिविरों का आयोजन 19 सितंबर को जैसीनगर, 20 सितंबर को राहतगढ़ और 21 सितंबर को सुरखी में किया जाएगा। मंत्री राजपूत ने कहा कि, रक्तदान महादान है। आपके एक प्रयास से अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है।

खाद्य मंत्री ने किया सामाजिक भागीदारी का आह्वान: खाद्य मंत्री राजपूत ने भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, मंडल अध्यक्षों एवं स्थानीय संगठनों से अपील की कि वे क्षेत्र की महिलाओं, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों को इन शिविरों तक लेकर आएं और उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

महामंडलेश्वर रामप्रवेश दास महाराज ने किया व्यासपीठ का पूजन

भोपाल, नप्र। नुक्कड़ वाली माता मंदिर प्रांगण में श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस पर गुफा मंदिर के जगत गुरु महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008 रामप्रवेश दास महाराज ने व्यासपीठ का पूजन किया। उनके आगमन पर सभी भक्तों ने पुष्प वर्षा करके महाराज का स्वागत किया। महाराज ने कथा व्यास अनिरुद्ध महाराज की प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं दी गुफा मंदिर धाम से अचार्य पंडित भंवरलाल शर्मा भी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में बजरंग सेना समिति के मुख्य सलाहाकार रुप कुमार सोनी, अध्यक्ष कमलेश देवानी, महासचिव गुरदास रामचंदानी, सचिव राजकुमार धानुक ने आए हुए सभी साधु संतों भगवा रंग का गमछा पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में आचार्य श्याम महाराज, पंडित नीलमणि दुबे, आचार्य पंडित गोविंद राम गर्ग, पंडित संतोष शुक्ला, राजीव शर्मा, हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी, एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी महेश खटवानी, महेश गर्ग, डॉक्टर खेमचंदानी, विवेक नागरूकर भूपेंद्र सिंह गुर्जर, रोहित परमार, रामजी ठाकुर, रानू चौहान, राजू अहिरवार आदि सम्मिलित हुए।

जीनगर समाज ने उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का समाज रत्न से किया सम्मान

भोपाल। राष्ट्रीय जीनगर समाज उत्थान एवं प्रोत्साहन समिति एवं ऑल इंडिया जीनगर चैरिटेबल एंड डेवलपमेंट ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में एक भव्य आयोजन के तहत जीनगर समाज के 258 मेधावी छात्र-छात्राओं का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान एवं प्रोत्साहन कर मुख्य अतिथि, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा को अपनी मेहनत और संघर्ष से नई दिशा देकर प्रदेश के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिए समाज रत्न और और पटेल गेंदाला देवड़ा समाज सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेणु देवड़ा का प्रेरणा रत्न शख्सियत का राजस्थानी शैली में साफा, शाल श्रीफल और अभिनंदन पत्र देशभक्ति से पधारे समाज प्रमुखों ने प्रदान किया श्री देवडा नेअपने प्रेरक वक्तव्य में कहा कि शिक्षा समाज की प्रगति और विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक है।÷उन्होंने जीनगर समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों की सराहना की और विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर हेतु प्रोत्साहित कर उपहार दिए। समारोह में संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी नाथूराम निर्वाण, स्वरूप सिंह पवार, सुरेंद्र निर्वाण, संपत लाल पवार, अनिल कछावा, राजेश सोलंकी, पार्षद सरोज हरिओम आसेरी, प्रदीप कछावा, मिलन जोहिया एवं संरक्षक भगवानदास ढालिया ने भी उपस्थित विद्यार्थियों को शिक्षा सशक्तिकरण के पथ पर प्रेरित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विशेष रूप से इस अवसर पर देशभर से पधारे भामाशाह श्री बी एल खत्री, भंवरलाल खींची, ओम प्रकाश बोराना, हरगोविंद सांकले, रघुवीर चौहान, हीरालाल सांखला, अध्यक्ष अजय पवार, पृथ्वीराज चौहान, प्रेम पवार, राजेश आसेरी राम सिसोदिया,एवं मुकेश सांखला सहित अन्य दानदाताओं का सम्मान भी किया गया। यह आयोजन शिक्षा के क्षेत्र में जीनगर समाज के सतत प्रयासों और समाज हित में योगदान को उजागर करने वाला एक प्रेरणादायक उदाहरण बना।

विश्व इंजीनियर डे मनाया

भोपाल। आज विश्व इंजीनियर डे के अवसर पर प्रदेश की राजधानी में इंजीनियर डे बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया इसी के चलते आज पर्यटन विभाग के चीफ इंजीनियर राजेंद्र श्रीवास्तव ने समस्त इंजीनियर साथियों को शुभकामनाएं दी और बताया कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुखिया डॉक्टर मोहन यादव द्वारा देश और प्रदेश में जिस प्रकार से कार्य कर रहे हैं हम सभी इंजीनियर उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस देश को एक नई क्रांति नई सोच के साथ और नए उपकरण नई डिजाइन जो संभव हम सभी इंजीनियरों से हो सकता है हम देश की सेवा के लिए कार्य करेंगे। वही इंजीनियर प्रियंका पटेल ने मिंटो हॉल स्थित भोपाल राजधानी में बना रहे कन्वेंशन हाल के बारे में बताया कि यह बेहद ही सुंदर और आराम दे रहेगा जिसमें बैंकट हॉल के साथ-साथ किचन पार्किंग की उत्तम व्यवस्था होगी यह प्रोजेक्ट शान द्वारा जो समय दिया गया है उसे समय निर्धारित समय पर पूर्ण किया जाएगा आज इंजीनियर डे के अवसर पर प्रियंका पटेल रोहित मृत्यु और समस्त पर्यटन के इंजीनियर द्वारा शुभकामनाएं दी ।

क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को बचाने को लेकर किया शांतिपूर्ण प्रदर्शन

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता शैलेंद्र रैना ने कहा कि लालघाटी क्षेत्र मे मंदिरों में,जन कल्याण सेवाओं में,शिक्षा के क्षेत्र में एवं विभिन्न क्षेत्रों में मैंने अपनी माता,बहनों को हमेशा आगे देखा। इसमें एक चीज़ हमेशा महत्वपूर्ण रही है कि हमारी माताएँ,बहनों का मंदिर के प्रति काफ़ी झुकाव रहा है। जिसमें गुफा मंदिर धाम,जैन मंदिर,महावीर गिरि एवं खेड़ापति हनुमान महाराज का मंदिर है जिसमें हर त्योहार पर प्रत्येक दिन हमारी माताएँ,बहने पूजा अर्चना करती हैं यही सब देख के हमारी बहनों और बेटियां हमेशा इस पद चिन्हों पर चली और इस प्रथा को हमेशा आगे बढ़ाया मगरआज के समय मे एक नया चलन हमारे इस क्षेत्र में चलाया जा रहा है जिसमें कुछ संस्थाओं द्वारा एक नया चलन स्थापित किया जा रहा है जिसमें हमारी बहनें बेटियों को ग़लत दिशा दिखाई जा रही है। कुछ बाहरी महिलाओं को लाकर अपने अपने संस्थानों पर बिठाकर ग़लत तरीक़े से सिगरेट और हुक्का पिलाया जा रहा है जिससे क्षेत्र में एक ग़लत मेसेज जा रहा है क्योंकि तथाकथित संस्थानों केसामने से हमारी बहने बेटियां एवं नए उम्र के नौजवान बच्चों का आना जाना होता है जिससे उन पर ग़लत एवं बुरा असर पड़ता है। इसको लेकर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया।

अतिथि शिक्षक संघ ने प्रदर्शन कर शिक्षा मंत्री को सौंपा मांग पत्र

भोपाल। आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष केसी पवार ने मंत्री परिवहन एवं स्कूल शिक्षा राव उदय प्रताप सिंह को पत्र लिखकर बताया कि अतिथि शिक्षक मध्यप्रदेश के शासकीय स्कूलों में विगत 16-17 वर्षों से पूर्ण निष्ठा लगन एवं ईमानदारी से अपना शैक्षिणक कार्य कराते आ रहे है। भविष्य को सुरक्षित कराने हेतु सैकड़ों बार आवेदन व निवेदन किया किंतु आज तक कुछ न हो सका। अतिथि शिक्षकों की लंबित मांगों का निराकरण कर भविष्य सुरक्षित करें। उन्होंने शिक्षा मंत्री को संघ की मांग कार्यनुभाव के आधार पर अतिथि शिक्षकों की विभागीय परीक्षा आयोजित कर भविष्य सुरक्षित किया जाये।अतिथि शिक्षकों का सेवाकल छत्तीसगढ़ सरकार की तर्ज पर पद रिक्त न मानते हुए 12 माह 62 वर्ष किया जाये। जो अनुभवी अतिथि शिक्षक स्थानांतरण / उच्चपद प्रभार/नवीन नियुक्ति/अतिशेष शिक्षक व अन्य कारणों से सेवा से बाहर है, उनको अलग से अनुभव के आधार पर शाला चयन प्रक्रिया पूर्ण कराकर उन्हें पुनः सेवा में लिया जाये। शासकीय सेवकों की तरह समस्त अर्जित अवकाश अतिथि शिक्षकों को दिया जाये। जुलाई, अगस्त में अतिथि शिक्षकों के द्वारा टेक्निकल समस्या होने के कारण ई अटेंडेंस नही लगाई जा सकी है. इस कारण अतिथि शिक्षकों का मानदेय भुगतान नही हो पा रहा है, अतः जुलाई, अगस्त माह में पूर्व की भांति ऑफलाइन उपस्थिति के आधार पर मानदेय भुकतान किया जाये। अतिथि शिक्षक भर्ती के लिए नये पंजीयन पूर्णतः बंद किया जाये जिससे वर्षों से सेवा दे रहे अतिथि शिक्षकों को पुनः सेवा का अवसर मिल सके।

भोजपाल गरबा महोत्सव भेल जम्बूरी मैदान पर 23 से 29 सितंबर तक

भोपाल। राजधानी के भेल जम्बूरी मैदान पर आयोजित होने वाले भोजपाल गरबा महोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। यहां आयोजित होने वाले भव्य गरबा महोत्सव में इस साल प्रतिभागियों की सेहत का खास ख्याल रखा जाएगा। आयोजन स्थल पर प्रवेश के लिए आधार कार्ड अनिवार्य होगा। गरबा करने वाले और यहां आने वाले हर व्यक्ति को चंदन का तिलक लगाकर और कलावा बांधकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि गरबा के दौरान आयोजन स्थल पर आने वाले लोगों की सुरक्षा और पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी को अपना आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। गरबा करने वाले सभी प्रतिभागियों को एक विशेष हेल्थ किट दी जाएगी। भोजपाल गरबा महोत्सव में मुंबई के मशहूर कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे, जिससे गरबा का उत्साह चरम पर रहेगा। आयोजकों ने बताया कि लगातार कई घंटों तक गरबा करने से थकान और डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है, जिसे देखते हुए यह पहल की गई है। महोत्सव स्थल पर मेडिकल टीम भी मौजूद रहेगी, जो किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहेगी।

अब हर चोट की तस्वीर होगी सबूत, पुलिस और डॉक्टर को कोर्ट में पेश करना अनिवार्य

भोपाल। मारपीट, दुर्घटना, एसिड अटैक या किसी भी कारण से होने वाले चोट के मामलों में अब फोटो अनिवार्य साक्ष्य होंगे। पुलिस और मेडिकोलीगल केस (एमएलसी) बनाने वाले डॉक्टर को घायल की चोटों के फोटो लेना जरूरी कर दिया गया है। इन फोटो को न्यायालय में अभियोजन पक्ष की ओर से पुख्ता प्रमाण के तौर पर प्रस्तुत किया जा सकेगा। पुलिस मुख्यालय ने इस संबंध में भोपाल और इंदौर के पुलिस आयुक्त, सभी जिलों, रेल और अजाक के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किए हैं। साथ ही, स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से सभी सीएमएचओ को पत्र भेजा जाएगा ताकि एमएलसी तैयार करने वाले डॉक्टर इस नियम का पालन करें। अभी तक फोटो नहीं लेते थेः अब तक डॉक्टर अपनी रिपोर्ट में केवल घाव की लंबाई और गहराई लिखते थे, लेकिन फोटो नहीं लेते थे। इस व्यवस्था की आवश्यकता तब महसूस हुई जब झाबुआ जिले के मारपीट मामले में जुलाई 2025 में हाई कोर्ट इंदौर खंडपीठ ने चोट के फोटो न होने पर आपत्ति जताई थी। उस मामले में न तो घायलों को अस्पताल ले जाने वाले पुलिसकर्मी ने फोटो लिए थे और न ही डॉक्टर ने। इसके बाद पुलिस मुख्यालय की सीआईडी शाखा ने आदेश जारी कर दिया कि हर चोट के फोटो सुरक्षित रखे जाएं ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कोर्ट में प्रस्तुत किया जा सके।

20 माह की मादा उपवयस्क की मृत्यु, प्राथमिक कारण तेंदुए से संघर्षः भोपाल। क्षेत्र संचालक, चीता परियोजना ने बताया कि सोमवार शाम लगभग 6.30 बजे माता चीता ज्वाला की एक 20 माह की मादा उप-वयस्क चीता जंगल में मृत पाई गई। उसे 21 फरवरी 2025 को मां जवाला और 3 शावकों के साथ जंगल में छोड़ा गया था। मृत मादा उप वयस्क चीता ने उसने अपनी मां को एक महीने से अधिक समय पहले और अपने साथी शावकों को कुछ दिन पहले छोड़ दिया था। क्षेत्र संचालक ने बताया कि मृत्यु का प्राथमिक कारण तेंदुए के साथ संघर्ष प्रतीत होता है। विस्तृत जानकारी पीएम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ज्ञात होगी।

नवरात्र और दशहरे को लेकर हुई हिंउस की बैठक

भोपाल। शारदीय नवरात्र 22 सितंबर से शुरू होकर गुरुवार 2 अक्टूबर तक चलेगा। 2 अक्टूबर को विजयादशमी पर्व पर विजयोत्सव के रूप भव्य दशहरा चल समारोह तथा छोला दशहरा मैदान पर होने वाले रावण दहन, कार्यक्रम दुर्गा विसर्जन चल समारोह को लेकर हिंदू उत्सव समिति की अहम बैठक आज पुराने शहर के श्री अग्रवाल विश्रांति भवन में समिति के अध्यक्ष चन्द्रशेखर तिवारी के अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में उपस्थित सदस्यों ने नवरात्रि, दशहरा पर्व को मनाने और दशहरा चल समारोह के संबंध में अपने महत्वपूर्ण सुझाव और विचार साझा किए। बैठक में अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने नवरात्रि में भी दुर्गा उत्सव समितियों से मां दुर्गा जी के सौम्य रूप, महिषासुर मर्दिनी रूप और माता काली जी के शास्त्र सम्मत रूप में प्रतिमा की स्थापना करने एवं शहर की गरबा समारोह का आयोजन करने वाली समितियों से और गरबे के आयोजन में शामिल होने वाले युवाओं से पारंपरिक परिधान में परिवारजनो के साथ गरबे में शामिल होने की बात कही।

दशहरा चल समारोह की तैयारियां

तिवारी ने बताया कि इस वर्ष दशहरा पर्व पर 02 अक्टूबर को निकलने वाले भव्य चल समारोह की तैयारियां की जा रहीं हैं साथ ही जिला प्रशासन ,नगर निगम भोपाल, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ विजय भूमि छोला दशहरा मैदान में दशहरा के सुचारू और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए चर्चा की गई है। इस अवसर पर समिति के सदस्यगण , गणेश राठौर, अनिल चौधरी, संजय साहू महेंद्र दवे, बच्चन आचार्य, दिलीप गुप्ता, मधुर अग्रवाल, सुभाष रायजादा, रिम्मत जैन, मुकेश राठौर, संदेश नेमा,विनोद साहू, हेमंत शर्मा,महेश अग्रवाल, तनिष्क नेमा विनम्र कोठारी, रिंकेश सिंहल, मयूर उपाध्याय, मोहन विश्वकर्मा, अभिषेक राठौर, संजय नेमा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

बर्ड वॉचिंग टूर, पर्यटकों ने देखीं 50 से अधिक पक्षी प्रजातियां

भोपाल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 14 सितंबर को भोपाल के बिसनखेड़ी और ग्वालियर के महाराजपुर क्षेत्र में बर्ड वॉचिंग टूर का आयोजन किया गया। अतावी बर्ड फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित इस टूर में 45 से अधिक पक्षीप्रेमी पर्यटकों ने लगभग 50 से अधिक प्रजातियों के पक्षियों का अवलोकन किया। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि मध्यप्रदेश पक्षी विविधता और प्राकृतिक धरोहर के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है। बर्ड वॉचिंग जैसे आयोजन न केवल प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं, बल्कि यह प्रदेश में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं। ऐसे कार्यक्रमों से स्थानीय समुदायों को रोजगार और नए अवसर मिलते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता भी बढ़ती है। हमारा प्रयास है कि बर्ड टूरिज्म को मध्यप्रदेश की एक खास पहचान बनाया जाए। अपर मुख्य सचिव पर्यटन, संस्कृति, गृह और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व तथा प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मध्यप्रदेश, पक्षी विविधता और प्राकृतिक धरोहर से समृद्ध प्रदेश है। यहां हर मौसम में पक्षीप्रेमियों को एक नया और अनोखा अनुभव मिलता है। बर्ड वॉचिंग जैसे आयोजन न केवल पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, बल्कि स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार के अवसर और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता भी बढ़ाते हैं। भोपाल में बड़े तालाब के किनारे बिसनखेड़ी क्षेत्र में बर्ड गाइड श्री अंकित मालवीय ने प्रतिभागियों को वायर टेल्ड स्वैलो, पाइड बुशचैट, स्पॉटेड डव, ग्रे-हेडेड स्वाम्पहेन, ग्रे फ्रैंकोलिन, रॉक पिजन, इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर सहित कई प्रजातियों का नजदीकी अवलोकन कराया। इसी प्रकार ग्वालियर के महाराजपुरा में बर्ड गाइड श्री विवेक वर्मा ने पर्यटकों को 50 से अधिक प्रजातियों के बारे में जानकारी दी और उनके व्यवहार व पारिस्थितिकी पर प्रकाश डाला। मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड द्वारा पक्षी प्रेमियों को आकर्षित करने और प्रदेश में बर्ड टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्येक माह बर्ड वॉक आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में 21 सितम्बर को छिंदवाड़ा एवं भोपाल और 28 सितम्बर को चिड़ीखो, नरसिंहगढ़ में बर्ड वॉचिंग टूर होंगे। इन आयोजनों की बुकिंग वर्तमान में खुली है और इच्छुक पक्षीप्रेमी इसमें भाग लेकर मध्यप्रदेश की समृद्ध पक्षी विविधता का अनुभव कर सकते हैं।

पीएम मोदी पर अब तक बन चुकी हैं ये फिल्में और सीरीज

आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 75वां जन्मदिन है. मोदी जी के राज में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है. उन्होंने ना सिर्फ देश को इस ऊंचाई तक लाने के लिए बेहद मेहनत की है बल्कि आज भी वो पूरे जोश के साथ इस काम में लगे हुए हैं.हमारे बॉलीवुड में भी मोदी जी की इसी मेहनत को सलाम करते हुए उनके संघर्षों पर कई फिल्में और सीरीज बनाई हैं, जो उनके संघर्षों को दिखाती हैं और हमें प्रेरित करते हैं. आइए जानते हैं उन फिल्मों और सीरीज के बारे में.पीएम नरेंद्र मोदी- बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबरॉय की ये फिल्म साल 2019 में आई थी. फिल्म पीएम नरेंद्र मोदी की बायोपिक थी. इसमें पीएम मोदी की पूरी लाइफ जर्नी दिखाई गई है. इसे आप एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं.मोदी- जर्नी ऑफ ए कॉमन मैन- पीएम मोदी की लाइफ पर ये एक वेब सीरीज भी बनी है. इसे भी साल 2019 में रिलीज किया गया था. ये सीरीज इरोस नाउ पर उपलब्ध है. इसके पहले सीजन में 7 एपिसोड है और दूसरे में 3. इस सीरीज को आप एमएक्स प्लेयर पर भी फ्री में देख सकते हैं.इस शो में अभिनेता महेश ठाकुर ने पीएम मोदी का किरदार अदा किया था. इस शो को भी काफी पसंद किया गया था. शो को आप एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं.उमेश शुक्ला ने इस सीरीज का निर्देशित किया था. इस सीरीज में मोदी जी की किशोरावस्था से लेकर युवावस्था तक और फिर गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगातार तीन कार्यकालों तक के सफर को दिखाती है।

राज कुंद्रा के 60 करोड़ के फ्रॉड में बिपाशा और नेहा का कनेक्शन

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से कई घंटों तक पूछताछ की। इस दौरान, राज कुंद्रा ने खुलासा किया कि इस धोखाधड़ी के पैसों का एक हिस्सा बॉलीवुड अभिनेत्रियों बिपाशा बसु और नेहा धूपिया को उनकी फीस के रूप में दिया गया था। यह मामला मुंबई के एक बिजनेसमैन, दीपक कोठारी की शिकायत के बाद शुरू हुआ। कोठारी ने आरोप लगाया है कि राज कुंद्रा और उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी ने अपनी कंपनी 'बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड' में निवेश के नाम पर उनसे 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। कोठारी ने दावा किया कि राज कुंद्रा ने उनसे यह पैसा बिजनेस के विस्तार के लिए लिया था, लेकिन इसका इस्तेमाल निजी खर्चों और अन्य कंपनियों में किया गया।हाल ही में, EOW ने राज कुंद्रा को पूछताछ के लिए बुलाया। सूत्रों के अनुसार, करीब 5 घंटे चली इस पूछताछ में राज ने कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया, लेकिन उन्होंने कुछ अहम खुलासे किए। राज कुंद्रा ने जांच अधिकारियों को बताया कि 60 करोड़ रुपये की राशि में से करीब 20 करोड़ रुपये ब्रॉडकास्टिंग, सेलिब्रिटी प्रमोशन और अन्य कामों पर खर्च किए गए थे। इसी दौरान, उन्होंने यह दावा किया कि बिपाशा बसु और नेहा धूपिया को इन प्रमोशन्स के लिए फीस दी गई थी।अभिनेत्रियों के खातों में पैसे- जांच में यह भी सामने आया है कि कंपनी के खातों से सीधे चार अभिनेत्रियों, जिनमें शिल्पा शेट्टी, बिपाशा बसु और नेहा धूपिया शामिल हैं, के बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर किए गए। EOW के अधिकारियों का कहना है कि शिल्पा शेट्टी भी इस मामले की जांच के दायरे में हैं। वह कंपनी में एक प्रमुख शेयर धारक थीं और उनसे भी जल्द ही पूछताछ की जा सकती है।राज कुंद्रा ने अधिकारियों को बताया कि नोटबंदी के दौरान उनकी कंपनी को भारी नुकसान हुआ था, क्योंकि उनका बिजनेस कैश ऑन डिलीवरी पर आधारित था। इसी दौरान कुछ संदिग्ध लेनदेन हुए, जिनके सबूत EOW के पास मौजूद हैं। पुलिस को शक है कि इन लेनदेन के जरिए पैसों को इधर-उधर किया गया था। EOW इस मामले में अभी भी जांच कर रही है और आने वाले दिनों में और भी लोगों से पूछताछ की जा सकती है।

बिग बॉस 19 में नतालिया ने प्रेम संबंधों को लेकर साझा किया विचार

अभिनेत्री ने आईएएनएस से खास बातचीत में अपने सफ़र, बिग बॉस के घर में अपने अनुभव और अपने अच्छे दोस्तों मृदुल और बसीर अली के साथ अपने बढ़ते रिश्तों के बारे में बात की। बसीर या मृदुल के प्रति अपने झुकाव का खुलासा करते हुए, नतालिया ने कहा, मृदुल के साथ, समस्या मुख्य रूप से एक-दूसरे को समझने में थी, उन्होंने कहा। लेकिन बसीर के साथ, हम ज़्यादा बात कर सकते थे।हमारी कुछ सामान्य रुचियाँ थीं, और उन्होंने मेरा बहुत साथ दिया, खासकर जब मैंने कप्तानी के टास्क में अपना बिस्तर खो दिया था। उन्होंने मुझे अपना बिस्तर दिया और मेरा बहुत ख्याल रखा। घर में नतालिया के साथ एक खास पल तब आया जब साथी प्रतियोगी मृदुल ने कथित तौर पर घर के अन्य पुरुष प्रतियोगियों के साथ बातचीत को लेकर अपनी असहजता व्यक्त की। उन्होंने कहा, मृदुल बहुत प्यारे हैं।लेकिन हाँ, एक समय पर, वह मेरे दूसरे लड़कों से बात करने को लेकर थोड़ा असुरक्षित महसूस करता था। वह चाहता था कि मैं उनके साथ उससे अलग तरह से बातचीत करूँ।

तलाक के बाद 'फिर से प्यार में पड़ना चाहती हूं': ईशा देओल

तलाक के बाद ईशा देओल ने अपनी जिंदगी की नई शुरुआत पर खुलकर बात की है। यह चर्चा तब और तेज़ हो गई जब उनके पूर्व पति भरत तख्तानी ने एक नए रिश्ते में होने की पुष्टि की। भरत ने अपनी नई पार्टनर मेघना लखानी के साथ तस्वीर शेयर कर अपने नए सफर का एलान किया। इसके कुछ ही दिनों बाद, ईशा ने कहा कि वह भी प्यार में फिर से पड़ने के लिए तैयार हैं द्यअभिनेता भरत तख्तानी से तलाक के बाद, ईशा देओल ने अपने जीवन में प्यार के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि वह फिर से प्यार में पड़ने और नए रिश्ते शुरू करने के लिए तैयार हैं। और उन्होंने हमेशा प्यार में विश्वास रखा है। ईशा ने यह भी स्पष्ट किया कि तलाक के बाद भी वह और भरत मिलकर अपनी बेटियों की परवरिश कर रहे हैं, और उनके बीच एक परिपक्व (द्वड्डह्लह्वह्म्द्ग) रिश्ता बना हुआ है।हाल ही में एक इंटरव्यू में, ईशा देओल ने कहा कि उन्होंने अपनी जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एक ञ्जनई दिशाञ्ज ले रहा है, और वह ञ्जप्यार में पड़ने के लिए तैयारञ्ज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस पर खुलकर बात करना चाहती हैं क्योंकि वह अपनी भावनाओं को छिपाना नहीं चाहतीं।

भरत तख्तानी ने हाल ही में अपनी नई गर्लफ्रेंड के साथ एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है, जिससे उनके नए रिश्ते की पुष्टि हुई है। उन्होंने अपनी नई पार्टनर के साथ अपनी एक रोमांटिक तस्वीर शेयर की, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वे अब अपने जीवन में आगे बढ़ गए हैं।ईशा देओल और भरत तख्तानी ने इसी साल फरवरी में अपने तलाक की घोषणा की थी। उन्होंने कहा था कि वे अपनी बेटियों, राध्या और मिराया के लिए माता-पिता के रूप में हमेशा साथ रहेंगे। तलाक के बाद से, ईशा अपने करियर पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं और अपनी फिल्मों और प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह अब अपनी बेटियों के साथ ज्यादा समय बिता रही हैं और अपने परिवार के साथ खुश हैं।

टीवी पर बाल्ड लुक में दिखने वाली पहली एक्ट्रेस हैं निया शर्मा

फिल्मों या टीवी सीरियल में एक्टर्स को आपने बाल्ड (बिना बालों के) अवतार में कई बार देखा होगा लेकिन एक्ट्रेसेस भी ऐसा कर रही हैं वो बहुत कम ही सुना या देखा होगा. टीवी पर पहली बार ये हिम्मत निया शर्मा ने की थी, जिसमें वो बाल्ड लुक में नजर आई थीं. हालांकि, उन्होंने अपने बालों का त्याग नहीं किया था बस उसे इस तरह से टीवी पर दिखाया गया कि निया ने अपने बालों को सीरियल के लिए त्याग दिया और उनका ये लुक सीरियल के लिए काफी फायदेमंद साबित हुआ था. उस सीरियल का नाम 'एक हजारों में मेरी बहना है' था.

17 सितंबर 1990 को दिल्ली में जन्मीं निया शर्मा आज अपना 35वां बर्थडे मना रही हैं. निया ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत 2010 में 'काली-एक अग्निपरीक्षा' से की थी. इसके बाद वो बहनें सीरियल में भी नजर आईं लेकिन निया को घर-घर में पहचान 'एक हजारों में मेरी बहना है' से मिली थी. खासकर जब उन्होंने बाल्ड लुक लिया तो लोग हैरान रह गए थे, और वो लुक सीरियल की कहानी के हिसाब से लिया था.2011 में 'एक हजारों में मेरी बहना है' सीरियल शुरू हुआ था जो 2013 तक स्टार प्लस पर टेलीकास्ट हुआ. इसमें दो बहनों की कहानी दिखाई गई, जिसमें निया शर्मा और क्रिस्टल डिसूजा लीड रोल में थीं, इनके अपोजिट लीड एक्टर्स करण ठक्कर और कुशाल टंडन थे. इसमें निया ने मानवी चौधरी का रोल प्ले किया था, जिन्हें कुछ एपिसोड्स में कैंसर की मरीज दिखाया गया और वो बाल्ड लुक में आ जाती हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, निया ने अपने बालों का त्याग नहीं किया था बल्कि मेकअप के जरिए वो लुक लिया था.करीब 4 महीनों तक निया ने हेयर स्किन ट्रीटमेंट प्लान किया था और इसकी वजह उनके डार्क सर्कल जैसी कई परेशानियां भी बाद में हुई थीं लेकिन उस लुक ने निया को काफी फेमस बना दिया था. निया के बाद बाल्ड लुक जेनिफर विंगेट, पूजा कंवाल, रिंकू करमारकर और क्रुतिका देसाई जैसी एक्ट्रेसेस ने भी अपने-अपने सीरियल के लिए रखा था जो काफी चर्चा में रहा.निया टीवी की सफल एक्ट्रेसेस में निया शर्मा का नाम भी आता है. 'एक हजारों में मेरी बहना है' के बाद निया ने 'जमाई राजा', 'जमाई राजा 2.ह्न', 'नागिन', 'इश्क में मरजावां' और 'ट्विस्टेड' जैसे सीरियल किए. वहीं निया 'खतरों के खिलाड़ी', 'झलक दिखला जा 10' और 'लाफ्टर शेफ्स' जैसे रियलिटी शोज भी किए हैं।

जुनून और समर्पण तारीफ के काबिल

पीएम मोदी ने वैषाली रमेशबाबू और आनंदकुमार वेलकुमार को दी बधाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। वहीं, आनंद ने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में स्वर्ण पदक जीता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारतीय शतरंज ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू को फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब जीतने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैषाली का जुनून और समर्पण प्रेरणादायक है। प्रधानमंत्री ने लिखा, शानदार उपलब्धि। वैषाली रमेशबाबू को बधाई। उनका जुनून और समर्पण काबिले-तारीफ है। उनके आने वाले प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

लगातार दूसरी बार जीता खिताब- भारतीय ग्रैंडमास्टर वैषाली रमेशबाबू ने लगातार दूसरी बार फिडे विमेंस ग्रां प्री स्विस खिताब अपने नाम किया। उन्होंने समरकंद में सोमवार को खेले गए 11वें और आखिरी राउंड में चीन की पूर्व विश्व चैंपियन झोंगयी टैन के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के साथ उन्होंने विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी जगह बना ली है।

स्पीड स्केटिंग में भारत को पहला वर्ल्ड चैंपियन

प्रधानमंत्री मोदी ने एक और खेल उपलब्धि पर भी खुशी जाहिर की। उन्होंने सीनियर मेंस 1000 मीटर स्प्रिंट स्पीड स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 में गोल्ड मेडल जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार को बधाई दी। पीएम मोदी ने लिखा, आनंद का हौसला, रफ्तार और जज्बा उन्हें भारत का पहला स्केटिंग वर्ल्ड चैंपियन बनाता है। यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को प्रेरित करेगी। उन्हें बधाई और भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद ICC के सामने भी पाकिस्तान क्लीन बोल्ड

मांग खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 में करारी शिकस्त झेलने के बाद पाकिस्तान की एक बार फिर किरकिरी हुई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशिया कप 2025 से मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मांग को आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आईसीसी के संचालन या कानूनी विभाग की ओर से भेजे गए पत्र से स्पष्ट हो गया है कि रविवार को दुबई में भारत-

पाकिस्तान मैच के दौरान हुए हाथ न मिलाने के विवाद में मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की कोई भूमिका नहीं थी। आईसीसी ने पाकिस्तान के इस दावे का खंडन किया है कि मैच रेफरी भारतीय टीम की ओर से काम कर रहे थे। पीसीबी ने भारत-पाकिस्तान मैच के बाद आईसीसी से कहा था कि अगर जिम्बाब्वे के अधिकारी को उनके पद से नहीं हटाया गया, तो पाकिस्तान एशिया कप 2025 के अपने अगले मैच का बहिष्कार करेगा। पाकिस्तान ने बुधवार को यूएई के खिलाफ अपना अंतिम ग्रुप मुकाबला खेलना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने आईसीसी को लिखे पत्र में पाइक्रॉफ्ट को पद से हटाने की मांग की है।

आईसीसी रैंकिंग में मची खलबली

स्टार भारतीय खिलाड़ी ने फिर हासिल किया नंबर-1 का ताज

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ताजा रैंकिंग का ऐलान कर दिया है। आईसीसी वूमेन्स बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने कमाल कर दिया है। स्मृति मंधाना ने 1 पायदान की छलांग लगाते हुए एक बार फिर शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वर्ल्ड कप का आगाज से महज दो हफ्ते पहले मंधाना इंग्लैंड की कप्तान नैट सिवर-ब्रंट को पीछे छोड़कर नंबर-1 ओडीआई बल्लेबाज बन गई हैं।

स्मृति मंधाना को न्यू चंडीगढ़ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ओडीआई सीरीज के पहले मैच में 58 रन की दमदार पारी का आईसीसी रैंकिंग में फायदा हुआ। इस पारी की बदौलत उन्हें 7 रेटिंग पॉइंट्स मिले और वह इंग्लैंड की कप्तान से चार पॉइंट आगे निकल गईं।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की रैंकिंग में सुधार

मंधाना के अलावा भारत की प्रतिका रावल चार स्थान ऊपर चढ़कर 42वें नंबर पर पहुंची हैं, जबकि हरलीन देओल पांच पायदान की छलांग लगाकर 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। टॉप-10 ओडीआई बल्लेबाजों की रैंकिंग में मंधाना एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं। ओडीआई सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज करने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। बेथ मूनी तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें स्थान पर पहुंची। एन्नाबेल सदरलैंड और फोएबे लिचफील्ड ने अर्धशतक जमाकर 25वें स्थान पर संयुक्त रूप से जगह बनाई।

स्नेह राणा ने लगाई 5 स्थान की छलांग

ओडीआई गेंदबाजों की रैंकिंग में भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज किम गार्थ एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गईं। स्पिनर अलाना किंग पांचवें नंबर पर पहुंच गई हैं। भारत की ऑफ स्पिनर स्नेह राणा भी पांच स्थान की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन अभी भी नंबर-1 गेंदबाज बनी हुई हैं।

लारा की शानदार वापसी, 56 साल की उम्र में दिखाया क्लास

अपनी टीम के लिए खेली शानदार पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के महान बल्लेबाजों में शुमार ब्रायन लारा को क्रिकेट फैंस आज भी उनके बड़े-बड़े शॉट्स और लंबे शतक के लिए याद करते हैं. 17 साल पहले इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले चुके लारा ने एक बार फिर बल्ले से अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है. त्रिनिदाद एंड टोबैगो में आयोजित नॉर्थ जोन क्रिकेट काउंसिल ङ्क20 फेस्टिवल में उन्होंने अपने बचपन की टीम हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब के लिए खेलते हुए शानदार बल्लेबाजी की और टीम को जीत दिलाई.

बारिश से छोटा हुआ मैच- डिएगो मार्टिन रिजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब और इबोनी स्पोर्ट्स की टीमें आमने-सामने थी. पहले यह मुकाबला 20-20 ओवर का होना था लेकिन बारिश के कारण इसे घटाकर 15-15 ओवर का कर दिया गया. पहले बल्लेबाजी करते हुए इबोनी स्पोर्ट्स ने 6 विकेट पर 100 रन बोर्ड पर लगा दिए और हावर्ड की टीम को जीत के लिए 101 रन का लक्ष्य दिया.

जब मैदान पर आए लारा- हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने लक्ष्य का पीछा तेज शुरुआत के साथ किया, लेकिन स्कोरबोर्ड 48 पर पहुंचते ही टीम ने अपने दो विकेट गंवा दिए.

- **नाबाद पारी से जिताया मैच-** लारा ने 26 रन की नाबाद पारी खेली और साथी बल्लेबाज आंद्रे यार्ड के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाई. उनकी पारी ने मैच का रुख पूरी तरह हावर्ड के पक्ष में कर दिया. आखिरकार हावर्ड स्पोर्ट्स क्लब ने यह मैच 8 विकेट से जीत लिया और विजयी रन भी लारा के बल्ले से ही निकला. इस तरह उन्होंने साबित कर दिया कि उम्र चाहे कुछ भी हो, क्लास हमेशा कायम रहती है.
- **भारत में भी दिखे थे एक्शन में-** ब्रायन लारा इसी साल की शुरुआत में भारत में खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग में वेस्टइंडीज मास्टर्स टीम की ओर से मैदान पर उतरे थे. उस टूर्नामेंट में उनकी टीम फाइनल तक पहुंची थी और उपविजेता रही थी.
- **लारा का करियर-** ब्रायन लारा ने 2007 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था, लेकिन तब तक वह वेस्टइंडीज क्रिकेट का सबसे बड़ा नाम बन चुके थे. उन्होंने अपने टेस्ट करियर में 131 मैच खेलते हुए 11,953 रन बनाए और आज भी वह वेस्टइंडीज के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं. उनकी 400 रन की नाबाद पारी और 375 रन की पारी टेस्ट क्रिकेट इतिहास में दर्ज हैं.

शर्मनाक रिकॉर्ड!

टी20 में सबसे ज्यादा डक पर आउट होने वाले भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 क्रिकेट को आमतौर पर तेज रन बनाने और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के लिए जाना जाता है, लेकिन इस छोटे फॉर्मेट में कभी-कभी बड़े से बड़ा खिलाड़ी भी बिना खाता खोले पवेलियन लौट जाता है. भारत के कई दिग्गज बल्लेबाजों ने टी20 इंटरनेशनल में ढेरों रिकॉर्ड बनाए हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ियों के नाम ऐसे रिकॉर्ड भी दर्ज हैं, जिन्हें वे शायद याद नहीं करना चाहेंगे. इनमें सबसे अहम है, सबसे ज्यादा 'डक' (0 रन पर आउट होना) का रिकॉर्ड.

रोहित शर्मा - 12 डक

भारत के हिटमैन और टी20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रोहित शर्मा ने अपने करियर में कई बड़े शतक लगाए हैं, लेकिन उनके नाम इस फॉर्मेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा 12 डक भी दर्ज हैं. रोहित ने अब तक 159 मैच खेले हैं और 4231 रन बनाए हैं, जिनमें 5 शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं.

एथलेटिक बिलबाओ को झटका

पूरे सीजन बाहर रहेंगे मिडफील्डर बेनात प्राडोस

मैड्रिड, एजेंसी। एथलेटिक बिलबाओ को 11 साल बाद चैंपियंस लीग में वापसी से ठीक पहले बड़ा झटका लगा है। मिडफील्डर बेनात प्राडोस को एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) की गंभीर चोट लगी है। 24 वर्षीय प्राडोस पिछले हफ्ते ट्रेनिंग के दौरान अपना बायां घुटना चोटिल करवा बैठे थे, जिसके चलते उन्हें पूरे सीजन बाहर बैठना पड़ेगा। क्लब की ओर से बयान में कहा गया है, एथलेटिक क्लब की मेडिकल टीम की तरफ से किए गए टेस्ट से पता चला है कि फर्स्ट-टीम खिलाड़ी बेनात प्राडोस के बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट आई है। जल्द ही सर्जरी की तारीख तय की जाएगी। प्राडोस की फिटनेस को लेकर नियमित अपडेट दिए जाएंगे। कोच अर्नेस्टो वाल्वरडे की रणनीति में प्राडोस को मिकेल जौरेगिजार और चोटिल इनिगो रुइज डी गैलारेटा के बाद सेंट्रल मिडफील्ड में तीसरी पसंद माना जाता था। उनसे चैंपियंस लीग, ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप जैसे टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद की जा रही थी। एथलेटिक की यूथ एकेडमी से निकले प्राडोस ने पिछले सीजन 45 मैच खेले थे। दूसरे डिवीजन की टीम मिरांडेस के लिए लोन से लौटने के बाद पिछले सीजन में 33 मैच खेले थे। एथलेटिक क्लब मंगलवार शाम अपने चैंपियंस लीग अभियान की शुरुआत प्रीमियर लीग टीम आर्सेनल के खिलाफ मुकाबले के साथ करेगा। इस मिडफील्डर की कमी को पूरा करने के लिए अर्नेस्टो वाल्वरडे एक और अनुभवी मिकेल वेस्गा और बी-टीम के एलेजांद्रो रेगो की मदद लेंगे।

चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण/लीग चरण में एथलेटिक क्लब ने आखिरी बार 2014/15 सीजन में हिस्सा लिया था। इससे पहले टीम 1998/99 में ही खेली थी। स्पेनिश टीम ने पिछले सीजन यूईएफए यूरोपा लीग के लीग चरण में अपने सभी चार घरेलू मैच जीते थे।

पथुम निस्सांका का एशिया कप- 2025 में लगातार दूसरा अर्धशतक

श्रीलंका के बड़े खिलाड़ियों का रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के पथुम निस्सांका ने मौजूदा पुरुष टी20 एशिया कप 2025 में लगातार दूसरे अर्धशतक (68 रन) के बाद 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिला दी। इसी के साथ ही निसांका ने कुसल मेंडिस और कुसल परेरा जैसे बड़ी श्रीलंकाई खिलाड़ियों के टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। निसांका ने छोटे अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी और पिछले 5 मैचों में अपना तीसरा और मौजूदा एशिया कप में दूसरा अर्धशतक जड़ा। 27 वर्षीय निसांका ने अपने 4 साल से कम के करियर में ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 50 प्लस रन बनाने का रिकॉर्ड बना लिया है। निस्सांका ने अभी तक कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक नहीं लगाया है। निस्सांका ने श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 17 बार पचास से ज्यादा रन बनाए हैं, जो इस प्रारूप में श्रीलंका के अनुभवी खिलाड़ी कुसल मेंडिस और कुसल परेरा से एक ज्यादा है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में श्रीलंका के लिए सर्वाधिक 50 से ज्यादा रन

पथुम निस्सांका - 17
कुसल मेंडिस - 16
कुसल परेरा - 16 (15 अर्धशतक, 1 शतक)
टीएम दिलशान - 14 (13 अर्धशतक, 1 शतक)
महेला जयवर्धने - 10 (9 अर्धशतक, 1 शतक)

बाबर आजम और विराट कोहली के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सर्वाधिक 39 अर्धशतक हैं।

ईडी ने युवराज सिंह को भेजा समन

23 सितंबर को पेश होने के लिए कहा, रॉबिन उथप्पा से भी होगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक कथित अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े धन शोधन मामले में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ियों युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा और अभिनेता सोनू सूद को पूछताछ के लिए तलब किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के हवाले से मंगलवार 16 सितंबर को यह जानकारी दी।

युवराज को 23 और उथप्पा को 22 सितंबर को बुलाया- अधिकारियों ने कहा कि विश्व कप विजेता क्रिकेटरों युवराज सिंह (43 साल) और रॉबिन उथप्पा (39 साल) तथा सोनू सूद (52 साल) को '1एक्सबेट' नामक प्लेटफॉर्म से जुड़े एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अगले सप्ताह उनके बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि रॉबिन उथप्पा को 22 सितंबर को बयान दर्ज कराने को कहा गया है। युवराज सिंह को 23 सितंबर, जबकि सोनू सूद को 24 सितंबर को बुलाया गया है।

- **रैना और धवन से भी केंद्रीय जांच एजेंसी कर चुकी है पूछताछ-** केंद्रीय जांच एजेंसी पिछले कुछ हफ्तों में पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से भी पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में सोमवार को पूर्व तृणमूल कांग्रेस सांसद और अभिनेत्री मिमी चक्रवर्ती का भी बयान दर्ज किया गया। सूत्रों ने बताया कि बांग्ला अभिनेता अंकुश हाजरा इस मामले में अपने निर्धारित समन पर मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश हुए, जबकि 1एक्सबेट की भारत की ब्रांड एंबेसडर और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला मंगलवार को तय तिथि पर अब तक पेश नहीं हुईं।
- **कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से संबंधित है जांच-** यह जांच कथित अवैध सट्टेबाजी ऐप से संबंधित है। जिसके बारे में कहा गया है कि ऐप संचालन कंपनी ने कई लोगों और निवेशकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है या भारी मात्रा में कर चोरी की है। कंपनी के अनुसार, 1एक्सबेट एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाजी ऐप है जो इस क्षेत्र में 18 वर्षों से कार्यरत है।

डब्ल्यूडब्ल्यूई के स्टार ट्रिपल एच ने किया बड़ा ऐलान, अब इस शो में करेंगे डेब्यू

फैंस हो गए खुश

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई के चीफ कंटेंट ऑफिसर और दिग्गज रेसलर ट्रिपल एच के फैसलों का डब्ल्यूडब्ल्यूई पर हमेशा से प्रभाव रहा है। उन्होंने हाल ही में दो बड़ी घोषणाएं की हैं, जिनमें से एक ने फैंस को निराश किया और दूसरी ने उत्सुकता बढ़ा दी है। फैंस के बीच तरह-तरह के रिएक्शन देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आइए आपको बताते हैं कि ये घोषणाएं क्या हैं।

सऊदी अरब में होगा डब्ल्यूडब्ल्यूई का सबसे बड़ा इवेंट- ट्रिपल एच ने घोषणा की कि रेसलमेनिया 43 रियाद, सऊदी अरब में होगा। इस खबर से कई फैंस निराश हैं क्योंकि वे चाहते थे कि यह प्रतिष्ठित शो अमेरिका में ही हो या किसी यूरोपीय देश को पहली बार इसकी मेजबानी का मौका मिले।

संक्षिप्त खबरें

सिलिंडर लीक होने से झुग्गियों में लगी आग

गुरुग्राम। सेक्टर-15 के पार्ट-2 स्थित एक खाली प्लॉट में बनी झुग्गी में मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे खाना बनाने के दौरान सिलिंडर लीक होने से आग लग गई। इसके बाद सिलिंडर में ब्लास्ट होने से आग ने पास में बनी तीन अन्य झुग्गियों को भी चपेट में ले लिया। झुग्गियों में रहने वाले परिवारों ने आग बुझाने का प्रयास किया और दमकल विभाग को भी सूचना दी। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार सेक्टर-15 के पार्ट-2 में मकान नंबर-1607 के सामने कुछ झुग्गियां बनी हुई हैं। मंगलवार की दोपहर को यहां खाना बनाते वक्त एक झुग्गी में गैस सिलिंडर में रिसाव हो गया था। जिस वक्त गैस का रिसाव हुआ उस वक्त झुग्गी में मौजूद लोग तुरंत बाहर आ गए और सिलिंडर फटने से जोरदार धमाका हुआ। इस घटना के समय झुग्गियों के आसपास करीब 15 लोग मौजूद थे, इनमें 4 बच्चे भी शामिल थे। सभी ने भागकर अपनी जान बचाई। आग ने तेजी से चार झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रहने वाले परिवारों का काफी नुकसान हुआ। आग से झुग्गियों में रखा सामान, कपड़े और अन्य जरूरी वस्तुएं जल गईं। भीमनगर फायर स्टेशन के अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि मंगलवार दोपहर भीमनगर फायर स्टेशन में झुग्गियों में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। वहीं, सेक्टर-29 फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी पहुंची।

गांजा सप्लाई करने वाला 20 हजार का इनामी काबू

गुरुग्राम। अपराध शाखा सेक्टर-17 की पुलिस ने गांजा सप्लाई करने वाले 20 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गुरुग्राम से गिरफ्तार किया है। आगामी कार्रवाई के लिए आरोपी को अदालत में पेश किया जाएगा। आरोपी की पहचान गजपति (ओडिशा) के टीकमाला साबरपाली गांव निवासी इश्या दास परिछा उर्फ समीर के रूप में हुई है। आरोपी पुलिस कस्टडी से भागने के बाद गिरफ्तारी से बचने के लिए झारखंड और ओडिशा में छिपा हुआ था। अपराध शाखा सेक्टर-17 की पुलिस ने 13 फरवरी 2024 को सिग्नेचर टॉवर के पास से दो महिलाओं को 24 किलो 544 ग्राम गांजे के साथ पकड़ा था। आरोपी महिलाओं की पहचान गुमला (झारखंड) निवासी देवयंती देवी और रांची (झारखंड) निवासी संध्या कश्यप के रूप में हुई थी।

डेंगू का खतरा बढ़ा: जमा पानी से पनप रहे लार्वा, हर दिन मिल रहे नए मरीज

गाजियाबाद। मौसम में बदलाव और तेज धूप के कारण डेंगू बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, अब तक जिले में डेंगू के 91 और मलेरिया के 65 मरीज मिल चुके हैं। जबकि हर दिन औसतन चार से पांच नए मरीज सामने आ रहे हैं। इस समय पांच मरीजों का अस्पताल में इलाज जारी है। यह मरीज मानसी विहार, भिक्कनपुर, खोड़ा और पंचवटी क्षेत्र में मिले हैं।

जिला मलेरिया अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि सर्वे के दौरान सबसे अधिक डेंगू के लार्वा कूलर, एसी की ट्रे, पानी की टंकी, गमले और अन्य ऐसे स्थानों पर मिले हैं जहां साफ पानी कई दिनों तक जमा रहता है। विभाग ने अब तक 300 से अधिक लोगों को नोटिस जारी किए हैं, जिनके परिसरों में लार्वा पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिस क्षेत्र में डेंगू के लार्वा मिल रहे हैं, उस क्षेत्र को संवेदनशील मानकर छिड़काव और फागिंग कराई जा रही है।

पांच दिन बाद लार्वा बन जाता है मच्छर

एपिडिमियोलॉजिस्ट डॉ. शिवि अग्रवाल ने बताया कि डेंगू वायरस एडीज एजिप्टी नामक मादा मच्छर के काटने से फैलता है। यह दिन के समय विशेष रूप से सुबह और शाम को सक्रिय रहता है। मादा मच्छर साफ और स्थिर पानी में अंडे देती है। जो महज 5 से 7 दिनों में वयस्क मच्छर बन जाते हैं। इनके काटने से मरीजों में डेंगू बुखार के लक्षण चार से 10 दिन बाद लक्षण उभरते हैं।

दर्द निवारक दवाइयां हानिकारक

एमएमजी अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. संतराम वर्मा ने बताया कि डेंगू में अचानक तेज बुखार (104 फारेनहाइट तक) होता है। इसमें तेज सिरदर्द, आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में तेज दर्द (इसे ब्रेकबोन फीवर भी कहा जाता है)। बुखार होने के बाद शरीर पर चकत्ते या रैशेज, मतली, उल्टी, थकावट और भूख न लगने की परेशानी बढ़ जाती है। कुछ मामलों में डेंगू डेंगू हेमोरैजिक फीवर या डेंगू शॉक सिंड्रोम हो सकता है। इसमें रक्तस्राव, प्लेटलेट्स की भारी गिरावट, निम्न रक्तचाप और शरीर के अंग काम करना बंद कर देते हैं। ये स्थितियां जीवन के लिए खतरा बन सकती हैं। बुखार और दर्द के लिए पैरासिटामॉल दी जाती है। एस्पिरिन और इबुप्रोफेन जैसे दवाएं बिल्कुल नहीं देनी चाहिए। इससे रक्तस्राव की संभावना बढ़ा सकती हैं।

सप्ताह में एक दिन ड्राई डे मनाएं

जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. राकेश कुमार गुप्ता ने कहा कि लोग डेंगू को हल्के में न लें। यह बीमारी कभी-कभी तेजी से गंभीर रूप ले सकती है।

दिल्ली-एनसीआर में एच3एन2 फ्लू का प्रकोप, आधे से ज्यादा घर प्रभावित; विशेषज्ञों ने दी यह सलाह

दिल्ली: दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों एच3एन2 फ्लू का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। लोकल सर्किल के सर्वे के मुताबिक, बीते कुछ महीनों में यहां 50 से 70% घरों में कम से कम एक सदस्य फ्लू जैसे लक्षणों से पीड़ित पाया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वायरस सामान्य फ्लू से कहीं ज्यादा समय तक शरीर को थका सकता है और बच्चों, बुजुर्गों व सांस संबंधी रोगियों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। लोकल सर्किल के 11,000 लोगों पर किए गए सर्वे में पाया गया कि दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद और गाजियाबाद में फ्लू का प्रकोप असामान्य रूप से बढ़ा है। 37% घरों में चार या उससे अधिक लोग बीमार पाए गए। 32% घरों में एक से तीन लोग बीमार। 25% घरों में कोई भी सदस्य पूरी तरह स्वस्थ नहीं। सितंबर 2025 के आंकड़े मार्च 2025 की तुलना में कहीं ज्यादा गंभीर हैं। उस समय 54% परिवारों ने फ्लू जैसी बीमारियों की जानकारी दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार एच3एन2 वायरस सतह पर मौजूद प्रोटीन संयोजन से पहचाना जाता है। इसके प्रमुख लक्षण तेज बुखार या ठंड लगना, सूखी या गीली खांसी, खराश, थकान और मांसपेशियों में दर्द हैं।

विशेषज्ञों की चेतावनी

डॉक्टरों का कहना है कि लगातार बदलते मौसम, नमी और प्रदूषण ने वायरस को पनपने का मौका दिया है। अगर लोग मास्क, टीकाकरण और घर पर आराम जैसे साधारण कदम उठाएं तो संक्रमण की रफ्तार को धीमा किया जा सकता है। गंदे हाथों से चेहरा, नाक या आंखों को न छुएं। लक्षण होने पर ऑफिस, स्कूल या सार्वजनिक स्थानों पर

जाने से बचें।

दिल्ली में 54% घरों में एक सदस्य संक्रमित

दिल्ली : 54% घरों में कम से कम एक सदस्य फ्लू जैसे लक्षणों से पीड़ित। गुरुग्राम : 49% घर प्रभावित, आईटी और कॉर्पोरेट इलाकों में मामले ज्यादा। नोएडा : 46% परिवारों में संक्रमण के लक्षण, कई स्कूलों में बच्चों की अनुपस्थिति बढ़ी। फरीदाबाद : 42% घरों में एक या अधिक बीमार, अस्पतालों में ओपीडी भीड़भाड़ बढ़ी। गाजियाबाद : 40% परिवार प्रभावित, बुजुर्गों में गंभीर मामले अधिक सामने आए। लोकल सर्किलस के सर्वे के मुताबिक एनसीआर के सभी शहरों में यह स्थिति मार्च 2025 की तुलना में कम से कम 15 से 20% ज्यादा गंभीर हो चुकी है।

कैसे पहचानें : सामान्य सर्दी जुकाम या एच3एन2 फ्लू : सामान्य सर्दी-जुकाम व एच3एन2 फ्लू के लक्षण मिलते-जुलते होते हैं, लेकिन इनमें कुछ महत्वपूर्ण अंतर हैं। सर्दी-जुकाम की शुरूआत आमतौर पर धीरे-धीरे होती है और इसमें बुखार कम ही आता है, जबकि एच3एन2 फ्लू अचानक तेज बुखार (अक्सर 101 डिग्री फारेनहाइट से ऊपर) के साथ शुरू होता है। जुकाम में खांसी हल्की या कभी-कभी होती है, लेकिन एच3एन2 फ्लू में खांसी अधिक तेज, सूखी या कभी-कभी गीली भी हो सकती है। गले में खराश दोनों में सामान्य लक्षण है, पर फ्लू में यह अधिक गंभीर हो सकता है। थकान और मांसपेशियों में दर्द एच3एन2 फ्लू की प्रमुख पहचान है। यह लक्षण कई दिनों तक बने रहते हैं। सर्दी-जुकाम आमतौर पर जटिलताओं में नहीं बदलता, जबकि एच3एन2 फ्लू निमोनिया, ब्रोंकाइटिस और सांस लेने में गंभीर दिक्कतें पैदा कर सकता है।

बचाव के उपाय

फ्लू का टीका लगवाएं : हर साल का टीकाकरण बीमारी की गंभीरता और अवधि कम करता है

मास्क का इस्तेमाल करें : खासकर भीड़-भाड़ वाले स्थानों, अस्पतालों और सार्वजनिक यातायात में

हाथ धोएं : साबुन से कम से कम 20 सेकंड तक या सैनिटाइजर से

इम्यूनिटी मजबूत करें : हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन युक्त भोजन और प्रोबायोटिक्स (जैसे दही) का सेवन करें

बीमार होने पर घर पर रहें : संक्रमण को फैलने से रोकने का यह सबसे सरल उपाय है

बर्गर मसाला में मिला प्रतिबंधित रंग, दुकान कराई बंद

गाजियाबाद। बर्गर और हॉट डॉग में इस्तेमाल होने वाले मसाले में प्रतिबंधित रंग का इस्तेमाल होने और पनीर में मिलावट होने पर कविनगर स्थित हॉट डॉग बेचने वाले दुकान पर खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए दुकान का पंजीकरण आंशिक रूप से निलंबित कर दिया है। नौ महीने बाद सैंपल की रिपोर्ट आने पर दुकान के पंजीकरण को निलंबित करते हुए 15 दिनों तक खाद्य कारोबार बंद करने के निर्देश दिए हैं। खाद्य पदार्थों में इस रंग का इस्तेमाल करने पर मनाही है क्योंकि यह हानिकारक होता है। सहायक खाद्य आयुक्त खाद्य अरविंद कुमार यादव ने बताया कि कविनगर सी ब्लॉक मार्केट स्थित मुस्कान हॉट डॉग से इसी वर्ष 25 जनवरी को तैयार बर्गर, तैयार बर्गर मसाला और पनीर के नमूने लिए गए थे। इसको जांच के लिए लखनऊ भेजा गया था। इसकी रिपोर्ट अब आई है। उन्होंने बताया बर्गर में इस्तेमाल मसाले में प्रतिबंधित रंग सूडान-क्कऔर बटर येलो रंग का इस्तेमाल हुआ है। इसके अलावा पनीर में विजातीय वसा पाया गया है। इन सभी नमूनों को असुरक्षित घोषित किया गया है। प्रतिष्ठान पर कार्रवाई करते हुए खाद्य कारोबारकर्ता को 15 दिनों में आवश्यक सुधार करके इसकी आख्या कार्यालय में प्रस्तुत करने के लिए कही गई है।

सहायक खाद्य आयुक्त ने बताया कि सुडाना-2 को खाद्य पदार्थों में रंग के रूप में प्रतिबंधित किया गया है क्योंकि यह मनुष्यों के लिए हानिकारक माना जाता है और इसके संभावित कार्सिनोजेनिक (कैंसर पैदा करने वाले) गुणों के कारण खाद्य पदार्थों में इसके उपयोग की अनुमति नहीं है।

सिपाही पर 35 हजार रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप

गाजियाबाद। नगर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाले एक पीड़ित ने सिपाही के मोबाइल की व्हाट्सएप चैट वायरल की है। पीड़ित का आरोप है कि दो पक्षों के बीच झगड़ा के मामले में सिपाही ने एसीपी, नगर कोतवाली और अन्य के नाम पर 35 हजार रुपये की रिश्वत की मांगी है। पीड़ित ने शिकायती पत्र के साथ अज्ञात मोबाइल नंबर की चैट भी संलग्न की है। कैला भट्ठा में रहने वाले वहाब ने भेजे शिकायती पत्र में बताया कि उनके भाई का पड़ोसी से झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में समझौता भी हो गया। आरोप है कि समझौते के बाद सिपाही ने व्हाट्सअप कॉल और चैट के जरिए उनसे 35 हजार रुपये की मांग की है। सिपाही का कहना है कि 15 हजार रुपये इंस्पेक्टर को जाएंगे, 10 हजार रुपये चौकी इंचार्ज को और पांच हजार रुपये सिपाही बांट लेंगे। बताया कि पांच हजार रुपये साहब को भी जाएंगे। पीड़ित का कहना है कि गरीबी का हवाला देकर रिश्वत देने में असमर्थता जताई लेकिन सिपाही लगातार पैसे देने का दबाव बना रहा है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री और पुलिस आयुक्त को शिकायती पत्र रजिस्ट्री कर इंसाफ की गुहार लगाई है। उधर, डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि ऐसी कोई शिकायत अभी उन्हें नहीं मिली है, शिकायतकर्ता का पत्र मिलते ही मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वायरल मोबाइल चैट्स पर दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल की गई तो सिपाही ने शिकायतकर्ता को पहचानने से इंकार कर दिया। बताया कि वह किसी वहाब को नहीं जानते।

बिजली चोरी पकड़ने गई निगम की टीम पर हमला

फरीदाबाद। धौज गांव में बिजली चोरी पकड़ने गई निगम की टीम से मारपीट की गई। आरोप है कि गांव के कुछ लोगों ने बिजली कर्मियों को घेरकर पीटा व उनकी गाड़ी पर पत्थर भी फेंके। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि बिजली निगम के जेई की शिकायत पर धौज थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं ग्रामीणों ने बिजली कर्मचारियों पर अवैध वसूली करने के आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि अवैध वसूली का विरोध किया तो वे झगड़ा करने लगे। पुलिस को मामले में शिकायत बिजली निगम के सब डिवीजन सिटी तीन बल्लभगढ़ के जेई दीपक यदुवंशी ने दी है। इनका कहना है कि सोमवार 15 सितंबर की दोपहर टीम बिजली चोरी की रूटीन चेकिंग करने सिलाखड़ी गांव पहुंची। आरोप है कि कई जगहों पर बिजली सप्लाई तार पर सीधे कुंडी डालकर बिजली चोरी की जा रही थी। जलालुदीन नामक व्यक्ति के घर में चोरी की जा रही थी। गली में आगे एक अन्य मकान में मीटर में आ रही तार में कट लगाकर चोरी पकड़ी गई।

लाठी-डंडो से हमला कर डेयरी संचालक को किया घायल

गाजियाबाद। कविनगर थाना क्षेत्र में कुछ लोगों ने डेयरी संचालक प्रिंस चौधरी पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इतना ही नहीं आरोपियों ने पीड़ित पर वहां से जान बचाकर भागने के दौरान फिर से हमला कर दिया और कार में तोड़फोड करते हुए जाने से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि सदरपुर निवासी प्रिंस चौधरी के अनुसार वह कपूरीपुरम में डेयरी का संचालन करते हैं। 26 अगस्त को वह डेयरी पर बैठे थे।

दर्दनाक हादसा: सीवर की सफाई, जहरीली गैस और घूटने लगा दम; 4 सफाईकर्मियों में से एक की मौत, 3 की हालत खराब

- जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात ये घटना अशोक विहार इलाके में हुई, जब एक अपार्टमेंट के पास सीवर की सफाई की जा रही थी। इस दौरान अचानक जहरीली गैस ने काम करने वाले चार सफाई कर्मचारियों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें से अरविंद (40 साल) की मौत हो गई है जबकि 3 कर्मचारी जहरीली गैस की चपेट में आकर बीमार हो गए।

नई दिल्ली: दिल्ली के अशोक विहार में सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में 4 सफाई कर्मचारी आ गए। जिनमें से एक की मौत हो गई है। वहीं, 3 सफाईकर्मियों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात ये घटना अशोक विहार इलाके में हुई, जब एक अपार्टमेंट के पास सीवर की सफाई की जा रही थी। इस दौरान अचानक जहरीली गैस ने काम करने वाले चार सफाई कर्मचारियों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें से अरविंद (40 साल) की मौत हो गई है जबकि 3 कर्मचारी जहरीली गैस की चपेट में आकर बीमार हो गए।

पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर को रात 11.36 बजे हरिहर अपार्टमेंट, अशोक विहार फेज-क्कके पास सीवर सफाई के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। जिसमें कहा गया कि चार व्यक्ति सीवर के अंदर गिर गए। मौके पर पहुंचकर चारों को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया। अरविंद (40 वर्ष, निवासी कासगंज, उत्तर प्रदेश) को मृत घोषित कर दिया गया। तीन अन्य- सोनू, नारायण (दोनों निवासी कासगंज, उत्तर प्रदेश) और नरेश (निवासी बिहार) - को बेहोशी की हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया। क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बृजगोपाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इलाके में पिछले कई दिनों से सीवर सफाई का काम चल रहा था।

केंद्र ने संभाली कमान: भलस्वा लैंडफिल को केंद्रीय मंत्री मनोहर खट्टर ने लिया गोद, अब साइट को मिलेगी नई पहचान

नई दिल्ली : भलस्वा लैंडफिल को कूड़ा मुक्त करने और क्षेत्र को विकसित करने की कमान केंद्र सरकार ने संभाल ली है। केंद्रीय शहरी विकास एवं आवास मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने इस लैंडफिल साइट को गोद लिया है और एक साल के भीतर इसे कूड़ा मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। अब तक यह काम उपराज्यपाल संभाले हुए थे लेकिन केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से परियोजना को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। खट्टर ने स्पष्ट कर दिया है कि भलस्वा को दिल्ली के लिए मॉडल साइट के रूप में विकसित किया जाएगा। जून 2022 में ड्रोन आकलन से पता चला था कि भलस्वा लैंडफिल पर 73 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा है। अब तक 62.36 लाख मीट्रिक टन लीगेसी कचरे की बायो-माइनिंग हो चुकी है। नौ जुलाई 2025 तक यहां 32.34 लाख मीट्रिक टन ताजा कचरा और मलबा भी डाला गया। फिलहाल 42.98 लाख मीट्रिक टन कचरा प्रोसेसिंग के लिए बचा है।

एमसीडी के आंकड़ों के मुताबिक मई 2025 में 3,04,899 मीट्रिक टन, जून में 2,85,843 मीट्रिक टन और जुलाई के पहले नौ दिनों में ही 1,18,549 मीट्रिक टन कचरे की बायो-माइनिंग की गई। साइट पर 18 ट्रोमेल मशीनें लगातार काम कर रही हैं और अतिरिक्त मशीनें भी लगाई गई हैं। मूल योजना दिसंबर 2026 तक 100

प्रतिशत बायो-माइनिंग पूरी करने की थी, लेकिन खट्टर की देखरेख में इसे एक साल के भीतर पूरा करने का प्रयास होगा।

70 एकड़ जमीन का पुनर्विकास

कचरे से खाली होने वाली लगभग 70 एकड़ जमीन पर एमसीडी ने पुनर्विकास की योजना बनाई है। 50 एकड़ पर आधुनिक ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) सुविधाएं, ट्रांसफर स्टेशन और मटीरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) सेंटर, 10 एकड़ में 500 टन प्रतिदिन क्षमता वाला बायो-मीथेनेशन/बायो-सीएनजी प्लांट, 10 एकड़ में हरित पट्टी और प्रतिपूरक पौधरोपण करेगी।

लावारिस कुत्तों को खाना डालने का विरोध करने पर घर में घुसकर पीटा

- रमाकांत ने दूसरे पक्ष पर बच्चों से मारपीट करने और महिलाओं के कान से कुंडल खींचकर घायल करने का आरोप लगाया है। विवाद 13 सितंबर को हुआ और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

साहिबाबाद। टीलामोड़ थानाक्षेत्र के गरिमा गार्डन कॉलोनी में घर के सामने लावारिस कुत्तों को खाना डालने की बात पर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। कॉलोनी निवासी रमाकांत पाठक ने घर के बाहर कुत्तों को खाना डालने का विरोध किया तब दूसरे पक्ष के सोनू राठौड़ और उनके साथियों ने मारपीट कर दी। रमाकांत ने दूसरे पक्ष पर बच्चों से मारपीट करने और महिलाओं के कान से कुंडल खींचकर घायल करने का आरोप लगाया है। विवाद 13 सितंबर को हुआ और पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। रमाकांत पाठक ने दर्ज कराए मुकदमे में बताया कि पड़ोस में रहने वाले सोनू राठौड़ आए दिन उनके घर के सामने लावारिस कुत्तों के लिए खाना डालकर उनकी भीड़ जमा करते हैं। कई बार विरोध करने के बाद भी आरोपी नहीं माना। मांसाहारी भोजन भी वह उनके घर के सामने कुत्तों को एकत्र करने के लिए डालते हैं। बताया कि 13 सितंबर की रात करीब 9:30 बजे सोनू ने उनके घर के बाहर मीट और हड्डियां डाल दीं। उन्होंने इसका विरोध किया। आरोप है कि तब सोनू अपने 10-12 साथियों के साथ उनके घर में घुसा और पूरे परिवार से मारपीट की। आरोपियों ने बच्चों को भी नहीं छोड़ा और महिलाओं से मारपीट करते हुए उनके कान से कुंडल खींच लिए। इसकी वजह से महिलाओं के कान भी कट गए। आरोप यह भी है कि उनके बेटे पर चाकू से हमला किया और जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल भेजा और इलाज शुरू कराया।

मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से साढ़े पांच करोड़ रुपये ठगे

फरीदाबाद। शेयर बाजार में निवेश पर तीन गुना मुनाफे का झांसा देकर कारोबारी से 5.56 करोड़ रुपये ठग लिए गए। आरोपियों ने एप डाउनलोड कराकर उसमें खाता खुलवा निवेश करवाया। निवेश की रकम भी एप में तीन गुना दिखने लगी लेकिन रिफंड का समय देकर आरोपियों ने उससे पहले ही एप व व्हाट्सएप ग्रुप बंद कर दिए। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना सेंट्रल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। बैंकों से डिटेल लेकर पुलिस आरोपियों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। ठगी को लेकर पुलिस को ये शिकायत ओल्ड फरीदाबाद सेक्टर-16ए के रहने वाले कारोबारी ललित वर्मा ने दी है। इनका कहना है कि अगस्त महीने में इन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया। इस ग्रुप को लक्ष्मीप्रिया पांडा और विनय गुप्ता चलाते थे। विनय गुप्ता को वो प्रोफेसर गुप्ता कहते थे। बी16 ट्रस्ट लाइन इंवेस्टर नेटवर्क नाम से बने इस ग्रुप में 118 सदस्य थे। बाद में एक ट्रस्ट लाइन वीआईपी 1073 ग्रुप में शिकायतकर्ता को जोड़ा गया और इसमें सिर्फ तीन मेंबर थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि शेयर बाजार में निवेश पर तीन गुना मुनाफे का दावा किया गया। उन्हें टीएल एफआईएन एप डाउनलोड करने को कहा गया। इसके बाद उनका खाता खोला गया। ग्रुप में कस्टमर केयर हेड नाम से मौजूद व्यक्ति इन्हें निवेश की रकम ट्रांसफर करने के लिए बैंक खातों की डिटेल भेजता था। इन खातों में रकम ट्रांसफर करने के बाद शिकायतकर्ता से ट्रांजेक्शन नंबर भी लिया जाता था।

मोबिक्विक कंपनी से 40.22 करोड़ की ठगी मामले में छह गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-53 थाने की पुलिस ने मोबिक्विक कंपनी से 40.22 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को अदालत में पेश करके न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में अन्य आरोपियों व लाभार्थियों के खिलाफ आगामी कार्रवाई कर रही है। इस मामले में मोबिक्विक पंजीकृत व्यापारियों, अज्ञात व्यक्तियों और उपयोगकताओं ने मोबिक्विक व्यापारी खातों में संदिग्ध लेनदेन किया था। मोबिक्विक कंपनी की ओर से सेक्टर-53 थाने में मामला दर्ज कराने के बाद गुरुग्राम पुलिस ने एकत्रित की गई जानकारी व रिकॉर्ड के आधार पर करीब 2500 लाभार्थियों (जिन बैंक खातों में रुपये गए थे) के बैंक खाते ब्लॉक कराकर करोड़ों रुपये फ्रीज कराए हैं।

पुलिस ने मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नूंह के रेवासन गांव निवासी रेहान, फिरोजपुर झिरका (नूंह) के कामेडा गांव निवासी वकार यूनुस, मोहम्मद आमिर व मोहम्मद अंसार, पलवल के हटेडा मोहल्ला निवासी मोहमद सकील और नूंह के मरोड़ा गांव निवासी वसीम अकरम के रूप में हुई है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि मामले में शिकायतकर्ता कंपनी वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड के मोबिक्विक एप्लीकेशन में कोई तकनीकी खराबी आ गई थी। इस खराबी के कारण किसी के बैंक या मोबिक्विक एप वॉलेट में कोई भी बैलेंस हो या न हो या फिर भी मोबिक्विक एप से की जाने वाली सभी ट्रांजेक्शन्स हो रही थी। मोबिक्विक एप का गलत पासवर्ड डालने पर भी ट्रांजेक्शन्स की जा सकती थी। कंपनी में हुई तकनीकी खराबी का कारण जानते हुए आरोपियों ने अनुचित लाभ कमाने के लिए ट्रांजेक्शन्स करके कंपनी को नुकसान पहुंचाया।

डिजिटल भुगतान कंपनी मोबिक्विक वॉलेट में तकनीकी खराबी आने के बाद संदिग्ध लेनदेन के माध्यम से 40.22 करोड़ रुपये ट्रांसफर करके धोखाधड़ी की गई। कंपनी के कानूनी अधिकारी बालकिशन लाधानिया ने सेक्टर-53 थाने में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि 12 सितंबर को खातों की जांच करने के दौरान संदिग्ध लेनदेन होने के बारे में जानकारी मिली। तकनीकी खराबी का फायदा उठाकर ग्राहकों ने काफी रुपयों की ट्रांजेक्शन्स की। हालांकि यह ट्रांजेक्शन्स सिर्फ मोबिक्विक एप वाले लोगों के पास ही हो पा रही थी। किसी अन्य प्लेटफॉर्म में जैसे गूगल-पे या फोन-पे पर रुपये ट्रांसफर नहीं हुए थे।

लोगों ने भरवाया पेट्रोल और दुकानों से खरीदा सामान : मोबिक्विक एप का प्रयोग करने वाले ग्राहकों को जब पता चला कि मोबिक्विक वॉलेट से रुपये नहीं कट रहे हैं तो काफी लोगों ने पेट्रोल पंपों पर जाकर अपने वाहनों में फ्यूल डलवाया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साई प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)